RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष-10, अंक-06, हिन्दी (मासिक), जून 2023, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

प्रधानमंत्री ने किया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस का शिलान्यास

दादी गुलजार के स्मृति स्तंभ अव्यक्त लोक में अर्पित की पुष्पांजली

सम्मेलन में देशभर से 15 हजार से अधिक लोग पहुंचे

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

मोदी बोले- यहां आने पर हर बार होती है नई आध्यात्मिक अनुभूति

ब्रह्माकुमारी बहनों की निष्ठा और सेवा भाव का साक्षी रहा हूं: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन आबू रोड में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी ब्रह्माकुमारीज़ में आता हूं तो एक नई आध्यात्मिक अनुभूति होती है। परमपिता परमात्मा के आशीर्वाद और दादियों के स्नेह में लगातार वृद्धि होती है। मैंने देश के लिए आपसे जो अपेक्षा की है, उसमें अपने प्रयासों से ज्यादा कर दिखाया है। मेरे विश्वास को कई गुना कर दिया है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सामाजिक कल्याण के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं। स्वच्छता अभियान में दादी जानकीजी ने स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर के रूप में और बहनों ने कमान संभालकर लोगों को प्रेरित किया है। ब्रह्माकुमारी बहनें स्वास्थ्य जागरूकता से लेकर जल जन अभियान, आजादी के अमृत महोत्सव, नशा मुक्त भारत अभियान में प्रेरणास्रोत बनकर सामाजिक कल्याण में जुटी हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारीज़ के तीन प्रोजेक्ट- ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस हॉस्पिटल, ओल्ड एज होम के सेकेंड फेज और नर्सिंग कॉलेज के एक्सटेंशन का शिलान्यास रिमोट का बटन दबाकर किया। सम्मेलन में देशभर से आए 15 हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों से गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सेवा की कमान आध्यात्मिक संस्थाओं ने संभाली है। मैं गुजरात भूकंप के समय से ब्रह्माकुमारीज़ बहनों की निष्ठा व सेवा का साक्षी रहा हूं। गुजरात में आए भूकंप के समय बहनों ने जो सेवाभाव से काम किया वह प्रेरणा देने वाला है। एक संस्था कैसे हर क्षेत्र में एक आंदोलन खड़ा कर सकती है, ब्रह्माकुमारीज़ ने वह कर दिखाया। मैंने देश के लिए आपसे जो अपेक्षा की, उसे पूरा करने में ब्रह्माकुमारीज़ ने कोई कमी नहीं की है।

मोदी बोले

आज ब्रह्माकुमारीज़ जन आंदोलन बन गया है, आपने राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान से मेरे विश्वास को कई गुना कर दिया है

नैतिक मूल्यों को मजबूत कर रही है संस्था

मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में सभी सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाओं की बड़ी भूमिका रही है। इस कर्तव्य काल में हम जिस भूमिका में हैं, उसका शत प्रतिशत निर्वहन करें। अपने व्यवहार और जिम्मेदारियों का विस्तार करें। पूरी निष्ठा के साथ हमें ये भी सोचना है कि हम देश के लिए क्या कर सकते हैं। सभी ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी प्रेरणापुंज हैं। ब्रह्माकुमारीज़ एक आध्यात्मिक संस्था के तौर पर समाज में नैतिक मूल्यों को मजबूत करने और समाज सेवा के कार्य करती रही है। साइंस, हेल्थ व सोशल वर्क के लिए पूरी तरह समर्पित है। माउंट आबू स्थित ग्लोबल चैरिटेबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के माध्यम से गांव-गांव में हेल्थ कैंप और रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है जो समाजहित में कार्य है। ऐसे कार्यों में मानवीय प्रयास जरूरी हैं। जिस ग्लोबल हॉस्पिटल के निर्माण का संकल्प लिया है, वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार का काम करेगा। ब्रह्माकुमारीज़ गांव-गांव में जन औषधि केंद्र जैसे योजनाओं की जानकारी लोगों को दें तो उनका भला हो जाएगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहा है हमारा देश

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पूरा देश स्वास्थ्य सुविधाओं के ट्रांसफार्मेशन से गुजर रहा है। आयुष्मान योजना ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक इलाज का खर्च सरकार उठाती है। योजना का चार करोड़ गरीब लाभ उठा चुके हैं। यदि वे खुद इलाज करवाते तो उन्हें 80 हजार करोड़ खर्च करने पड़ते। पिछले 9 वर्षों में हर महीने एक नया मेडिकल कॉलेज खोला गया है। 150 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। देश में 50 हजार एमबीबीएस सीटों को बढ़ाकर एक लाख किया गया है। पीजी में 30 हजार सीटें थीं जिन्हें 65 हजार किया है। जब इरादा नेक हो तो ऐसे ही संकल्प लिए जाते व सिद्ध भी किए जाते हैं। जितने डॉक्टर सात दशक में बने हैं, उतने अगले एक ही दशक में ही मिलेंगे।

पीएम ने श्रीअन्न को बढ़ाने का किया आह्वान

प्रधानमंत्री ने श्रीअन्न यानी मिलेट्स को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें नदियों को स्वच्छ करना है। प्राकृतिक खेती, भूजल संरक्षण हजारों साल पुरानी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी है। मुझे आशा है कि भविष्य में भी ब्रह्माकुमारी बहनें राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को आगे बढ़ाएंगे। विश्व को सर्वे भवंतु सुखिनः के मार्ग पर ले जाएंगे। राष्ट्र निर्माण में ऐसी योजनाओं को क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ाएंगी। दुनिया जब महिला सशक्तीकरण की बात कर रही है, हम जी-20 में महिला नेतृत्व को बढ़ाने की बात कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अव्यक्त लोक पर अर्पित की पुष्पांजली

- वरिष्ठ राजयोगी बीके भाई-बहनों से पूछी कुशलक्षेम
- बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से आए नौ हजार लोग

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

राजयोग ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए इस बार बिहार-झारखंड और पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों से नौ हजार से अधिक लोग शांतिवन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर लोग पहली बार आबू रोड आएं हैं। सभी लोगों में प्रधानमंत्री की एक झलक देखने के लिए उत्साह नजर आया।

राजयोग की कराई अनुभूति

कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय भाई ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा के घर में प्रधानमंत्रीजी का पूरे विश्व विद्यालय के सभी बीके भाई-बहनों की ओर से हार्दिक स्वागत है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी ने राजयोग की अनुभूति कराते हुए कहा कि मैं आत्मा भृकुटि के बीच चमकता हुआ तारा हूं। परमात्मा सत्-चित् आनंद स्वरूप हैं। परमात्मा की सत्यता, पवित्रता की किरणें विश्व में फैलती जा रही हैं। संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शिविका बहन ने किया।

कार्यक्रम के खास पल

- प्रधानमंत्री ने आते ही सर्वप्रथम मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का आशीर्वाद लिया। दादी ने शॉल ओढ़ाकर पीएम का सम्मान किया। कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने राजस्थानी पगड़ी पहनाई और अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी ने मोमेंटो भेंट किया।
- मुंबई से आईं बॉलीवुड कलाकार ग्रेसी सिंह की टीम ने ओ पालन हारे...कौन कहता है कि भगवान खाते नहीं गीत पर सुंदर प्रस्तुति दी।
- पीएम मोदी दादी गुलजार के स्मृति स्तंभ अव्यक्त लोक पहुंचे और पुष्पांजली अर्पित की। साथ ही इस दौरान संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने अब तक तीन बार किया ऑनलाइन संबोधित

- 16 फरवरी 2023 को प्रधानमंत्री ने वर्चुअल जल जन अभियान का शुभारंभ किया था।
- 20 जनवरी 2022 को अमृत महोत्सव अभियान की नेशनल लांचिंग भी पीएम ने ऑनलाइन की थी।
- 26 मार्च 2017 में ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना के 80 वर्ष पूरे होने पर वर्चुअल शुभकामनाएं दी थी।
- 2007 में तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के देवलोकगमन पर पुष्पांजली अर्पित करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए आए थे। मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान तीन पर संस्थान के अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लिया।

50 एकड़ में 250 बैड की क्षमता का बनेगा हॉस्पिटल

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

प्रधानमंत्री ने आबू रोड में बनने वाले ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस हॉस्पिटल का शिलान्यास भी किया। 250 बैड का यह हॉस्पिटल दो साल में बनाने का लक्ष्य रखा गया है। माउंट आबू स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से 50 एकड़ में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय जरूरतमंद लोगों को सहज ही इलाज की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अभी तक यह व्यवस्था केवल बड़े शहरों में ही है। हॉस्पिटल में तन और मन का इलाज किया जाएगा।

तन के साथ मन का भी होगा इलाज

इस हॉस्पिटल में विशेष रूप से मेडिटेशन रूम बनाए जाएंगे ताकि दवा और दुआ दोनों के समन्वय से लोग जल्दी स्वस्थ हो सकें। हॉस्पिटल में आधुनिक उपकरणों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। हॉस्पिटल निर्माण के साथ नर्सिंग कॉलेज का भी विस्तार किया जा रहा है। इससे पहले से ज्यादा सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी।

ये सुविधाएं मिलेंगी

हॉस्पिटल में मुख्य रूप से न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी की विशेष यूनिट शुरू की जाएगी। इसमें जाने-माने विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, पैलिएटिव केयर और जेरिएट्रिक केयर (वरिष्ठ नागरिक गृह) की भी सुविधा रहेगी। साथ ही तीसरे साल में हॉस्पिटल में गैस्ट्रो एंटरोलॉजी और एंडोक्रिनोलॉजिस्ट के इलाज की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए राजयोग आवश्यक है

माउंट आबू में आध्यात्मिकता द्वारा व्यापार एवं उद्योग में कुशलता विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में आध्यात्मिकता द्वारा व्यापार एवं उद्योग में कुशलता विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से व्यापार एवं उद्योग जगत की 400 से अधिक जानीं-मानीं शख्सियतों ने भाग लिया। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि वर्तमान समय अनेक चुनौतियां हर वर्ग के सम्मुख हैं। ऐसे समय पर यदि आप इस आध्यात्मिक ईश्वरीय ज्ञान का अपने जीवन में समावेश करेंगे तो आप स्वयं में हर परिस्थिति को पार करने की शक्ति अनुभव करेंगे। राजयोग से प्राप्त परमात्म शक्तियां आपको शक्तिशाली बना देती हैं।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके योगिनी बहन ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े आप महानुभाव भारत की सच्ची निधि हैं। आपका देश की प्रगति में योगदान श्रेष्ठ है। कार्यक्षेत्र में सहज सफलता प्राप्त करने एवं तनाव से मुक्त रहने के लिए राजयोग का अभ्यास आवश्यक है। बीएमसी मुम्बई के ज्वाइंट म्यूनिसिपल कमिश्नर चन्द्रशेखर चोरे ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े सदस्यों से मिलने व देखने से ही लगता है कि ये लोग कुछ अलग हैं। इनमें दिव्यता का अनुभव होता है। इनमें दूसरों को देने की क्षमता है। यहां जो ईश्वरत्व है, उसको हम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके गीता बहन ने स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक बीके हरीश ने प्रभाग की सेवाओं से अवगत कराया। संचालन बीके प्रतिभा एवं बीके अमृता ने किया।

ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान ने सोचने के स्तर में अद्भुत परिवर्तन लाया है। यहां से सीखा है परिस्थिति को कभी अपने ऊपर हावी होने न दें। जो

चाहिए वह दूसरों को बांटो, जितना दूसरों को देंगे उतना मिलेगा। मुस्कुराते रहें। दूसरों की बातों को शांति, धीरज से सुनना चाहिए। जो आपको कष्ट देते हैं उन्हें दिल से दुआएं व कल्याण की भावनाएं दें।

- रमेश पोद्दार, मैनेजिंग डायरेक्टर, सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड

आध्यात्मिकता का संदेश देने वाली इस संस्था की आज विश्व को बहुत जरूरत है। व्यापार में ग्राहक को संतुष्ट करने और प्रतिस्पर्धा

में विजय पाने की चुनौती होती है। निरंतर श्रेष्ठ कर्म करने लिए निरंतर प्रयास व एकाग्रता की आवश्यकता होती है। इसमें यह राजयोग मेडिटेशन बहुत मददगार साबित होगा।

- किशोर बियानी, संस्थापक एवं सीईओ, फ्यूचर ग्रुप

आप सभी भाग्यवान हैं जो यहां आध्यात्मिकता का अनुभव करने के लिए आए हैं। आज व्यक्ति अपनी सत्य पहचान को भूल गया है।

दर्पण में हम भले अपने शरीर को देखते हैं लेकिन वास्तव में उससे भिन्न एक चैतन्य ऊर्जा हैं। यह शरीर एक साधन है व्यवहार के लिए। आंतरिक परिवर्तन ही बाह्य परिवर्तन ला सकता है। **- केएस राजू,** चेयरमेन, नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड

कोविड के समय मैं ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ा। तब से इस आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग का अभ्यास कर रहा हूं। मेरी प्रोडक्शन टीम के 12 हजार

लोगों का जीवन इस आध्यात्मिक ज्ञान से सकारात्मकता से भर गया है। मेरी दिनचर्या अमृतवेला 4 बजे मेडिटेशन से आरंभ हो जाती हैं। मैं दिन भर आत्मविश्वास व आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर अनुभव करता हूं। यह आध्यात्मिक ज्ञान ऐसी चाबी है जिससे हर समस्या रूपी ताला खुल जाता है।

- नीरज कोचर, सीएमडी, विराज प्रोफाइल्स लिमि.

पांच महीने से मैं नियमित रूप से इस संस्था से जुड़कर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। सुबह सेंटर जाकर ज्ञान मुरली सुनने का आनंद

शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। व्यस्त जीवन होने के बाद भी मैं सुबह का राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कभी नहीं छोड़ता। रोज मैं चार घण्टे आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग के लिए देता हूँ। मैं अपने जीवन को सही अर्थ में सम्पूर्ण अनुभव कर रहा हूं। आप भी एक बार जरूर करके देखें।

- अरुण कुमार सिंह, चेयरमेन, ओएनजीसी लिमि.

बीके कमलेश को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा

शिव आमंत्रण, कटक/ओडिसा।

महाराजा श्रीराम चंद्र भांजा देव विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ब्रह्माकुमारीज़ कटक सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी कमलेश दीदी को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित। उन्होंने यह उपाधि समाजसेवा, समाज कल्याण और सामाजिक सेवाओं में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रदान की गई। बता दें कि बीके कमलेश दीदी का जन्म 17 जनवरी 1940 को फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश में हुआ। उन्होंने अपना जीवन आध्यात्म और समाजसेवा के प्रसार के लिए समर्पित कर दिया है। 27 साल की उम्र में वह ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ गईं। 1973 में वह ओडिशा आईं और कटक में पहला ब्रह्माकुमारी केंद्र स्थापित किया। आज उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप ओडिशा में 1050 उच्च शिक्षित समर्पित रूप से ब्रह्माकुमारी बहनें अपनी सेवाएं दे रही हैं। साथ ही डेढ़ लाख लोग आध्यात्म के पथ पर चलकर अपना जीवन पूरी तरह निव्र्यसनी रूप से जी रहे हैं।

ईशु दादी की द्वितीय पुण्यतिथि

शुभभावना दिवस के रूप में मनाई गई

आबू रोड/राजस्थान।

ईशु दादी ईमानदारी, वफादारी और सहन शक्ति की मिसाल थीं। इसलिए ब्रह्मा बाबा ने उन्हें कॉन्फिडेंशियल सेक्रेटरी का टाइटल दिया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना से लेकर अंतिम समय तक हिसाब-किताब रखने में लगा दिया। वह इतनी लगनशील, ईमानदार, वफादार थीं कि लाखों रुपये का हिताब होने के बाद भी कभी हिसाब गड़बड़ नहीं हुआ।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी ईशु की शुभभावना दिवस के रूप में आयोजित द्वितीय पुण्य तिथि पर महासचिव बीके निर्वैर भाई ने व्यक्त किए। 6 मई 2021 को 95 वर्ष की आयु में इस नश्वर देह को त्याग कर ईशु दादी अव्यक्त हो गईं थीं। उन्होंने कहा कि ईशु दादी को परमात्मा से अनन्य प्रेम था। प्रेम की निशानी होती है विश्वास। शुरुआत से ही संस्थान के आर्थिक कारोबार संभालने की जिम्मेदारी ब्रह्मा बाबा और प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती ने ईशु दादी को ही सौंपी थी।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके शशी दीदी ने कहा कि दादी अनेक सद्गुणों से भरपूर थीं। दादी के पास कोई भी मदद के लिए जाता था तो वह कभी मना नहीं करतीं थीं। उन्होंने कभी किसी को निराश नहीं किया। मुंबई घाटकोपर सबजोन की निदेशिका बीके नलिनी दीदी ने कहा कि ईशु दादी विश्वास, वफादारी और ईमानदारी की मिसाल थीं। उन्होंने अपनी ईमानदारी से ब्रह्मा बाबा का इतना दिल जीत लिया था कि बाबा ने उन्हें अपना पर्सनल सेक्रेटरी बना लिया था। बीके गीता दीदी, डॉ. बीके सविता दीदी, बीके रुक्मिणी दीदी, दादी की निज सचिव रहीं बीके कविता दीदी ने भी दादी के साथ के अनुभव सांझा किए। मधुरवाणी ग्रुप ने गीत प्रस्तुत किया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

लाइफ स्टाइल में परिवर्तन लाना जरूरी

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

यदि पृथ्वी को संरक्षित करना है, प्रदूषण से बचाना है तो लोगों की लाइफ स्टाइल में परिवर्तन जरूरी है। लोगों में जन जागृति फैलाना होगा। तभी हम अपने आसपास के पर्यावरण और पृथ्वी को सुरक्षित, संरक्षित रख पाएंगे। उक्त उद्गार आबू रोड एसडीएम गोविंद सिंह ने व्यक्त किए। मौका था विश्व पृथ्वी दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में वैज्ञानिक, अभियंता एवं इंजीनियरिंग प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे हमारे पृथ्वी ग्रह में निवेश करें (प्रेसर्व, प्रोटेक्ट, प्रमोट) कैपेंन के राष्ट्रीय लांचिंग का। वैज्ञानिक, अभियंता एवं इंजीनियरिंग प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीके मोहन सिंघल भाई ने कहा कि वाई-20 प्रोग्राम का मकसद वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर है। यह तभी हो सकता है जब हम हमारे पृथ्वी ग्रह में निवेश करें। संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके निर्मला दीदी, बीके शीलू दीदी बीके भारत भूषण, बीके डॉ. सविता बहन, बीके देवयानी बहन, बीके सुप्रिया बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कितने भी विघ्न आएं, समझो इसमें कल्याण समाया है

प्रेरणापुंज

राजयोगिनी दादी जानकी,
पूर्व मुख्य प्रशासिका,
ब्रह्माकुमारीज,
माउंट आबू

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

निश्चय से विजय कितनी होती आ रही है, यह भी पक्का नियम है। निश्चय से कभी हिले नहीं हैं, अनुभव वाला निश्चय है। कोई हिला नहीं सकता, कोई संशय की बात कर नहीं सकता। अपने को इस नियम के बंधन में रखा है। मैं ईश्चरीय संतान हूं, ईश्वरीय फैमिली है, सत धर्म के स्थापना के अर्थ हैं। हम असत्यता को खत्म करने वाले, सत्यता को प्रदान करने वाले हैं। नियम बनाए किसने- ज्ञान, विवेक और अनुभव ने। ज्ञान सिर्फ बुद्धि को चलाने वाला नहीं, लेकिन विवेक और अनुभव क्या कहता है। तो यह प्राप्ति फट से शुरू होती है- शान्त, सरल, खुश हैं तो अपने लिए सफलता है। अन्दर की शान्ति जैसे बाबा कूट-कूट कर भर रहा है। आत्मा को शान्त स्वरूप रहने का संस्कार फिर से इमर्ज हो जाए, तब तक बाबा अपनी सकाश दे करके आत्मा में भर रहा है। इस तरह से हम नियम की पालना करें।

> अपने श्रेष्ठ भाग्य को देख दिन-प्रतिदिन भाग्य की रेखा लंबी खींचते चलो

नियम बनाए ज्ञान, विवेक और अनुभव से। फिर उसी अनुसार चले तो फायदा ही फायदा है। नियम को थोड़ा सा भंग किया, उसी अनुसार नहीं चले तो विघ्न आ जाते हैं। फिर विघ्नों को हटाने की मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन विघ्नों का आह्वान हमने किया। कितने भी विघ्न आयें लेकिन समझो इसमें कल्याण समाया हुआ है, हमारी शुभ भावना से यह हट जाएगा। शुभ भावना नहीं होगी तो कड़ा रूप धारण करता रहेगा। शुभ भावना से हट जाएगा, यज्ञ में विघ्न शुरू से आए हैं, लेकिन अन्दर कल्याण समाया हुआ है, अन्दर से देखा है, कल्याण हमारा हुआ है। सेवा छोड़ी नहीं है, सेवा बढ़ाई है। विघ्न आना उसका काम है, भगाना हमारा काम है। इतना अन्दर निश्चय का बल है। विधि रोज मुरली से मिलती है, विधान खुद अपने लिए बनाने हैं। उसमें अपने को ढीला नहीं रखना है। अच्छा।

वाह ड्रामा! वाह बाबा! तो कितना परिवर्तन आ जाता है...

बाबा के मीठे बोल अति प्यारे लगते हैं क्योंकि हमारे जीवन को परिवर्तन करने में शक्ति देने वाले बोल हैं। बाबा की मुरली सुनते सदा अपने आपको देखो - मैं कौन हूं? वाह रे मैं! वाह ड्रामा! वाह बाबा! तो कितना परिवर्तन आ जाता है। वाह रे मैं माना अभिमान चला गया, सर्व आत्माओं में से बाबा ने हमको श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा बना लिया। इसलिए कहते हैं - वाह रे मैं! अपने श्रेष्ठ भाग्य को देख दिन-प्रतिदिन भाग्य की रेखा बड़ी लम्बी खींचते चलो। जितना चाहे खींच लो। भाग्यविधाता बाबा है इसलिए इजी हो गया है क्योंकि उसके बच्चे हैं! सीख जाते हैं उनसे कैसे भाग्य बनाएं इसलिए ब्रह्मा बाबा को भागीरथ कहते हैं। भक्तिमार्ग में भागीरथ की बहुत मान्यता है। तो ड्रामानुसार यह भी हमारा भाग्य है कि बाप के मस्तक पर बैठ हम ज्ञान गंगा बनें हैं। बाबा कहां से उठाकर कहां बिठाता है। जिस बाप का बच्चे से बहुत प्यार होता है या जो बच्चा बहुत लाड़ला होता है तो उस बच्चे को कंधे पर उठा लेते हैं। यहां तो बाबा हम सबको सिर पर उठाकर सिर का ताज बना देता है। तो हम बाप के सिर का ताज हो गए, तब ही तो हम बाबा को प्रत्यक्ष कर सकेंगे।

रियल लाइफ **प्रजापिता ब्रह्मा बाबा,** संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

हमें विश्व की सभी आत्माओं पर ज्ञान वर्षा करके निहाल करना है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

देहली में इन दिनों ब्रह्माकुमारी बहनों को एक माता ने लाला जगन्नाथ जी की धर्मशाला के निकट ही अपने घर में आमंत्रित किया और अब वे वहां ही सत्संग करती थीं। सत्संग में आने वाले भाई-बहन अब ईश्वरीय ज्ञान पर बहुत ही मुग्ध थे। परन्तु ब्रह्माकुमारी मनोहर इन्द्रा जी कहती हैं 'हमें अब यज्ञ में लौटने का संकल्प प्रबल रूप से आया क्योंकि वहां से निकले हमें लगभग दो मास हो चुके। जब हमारे लौटने की घड़ी आई तब सत्संग में आने वाले भाई-बहनों का मन यह सोचकर बहुत उदास सा हो गया कि अब हमें यह ज्ञान सुनने का अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने न जाने के लिए बहुत आग्रह किया। परन्तु हमें तो जाना ही था।

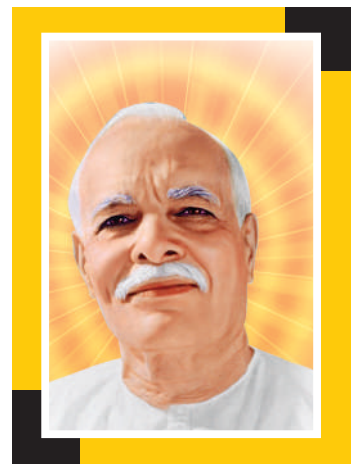

इस प्रकार हम कुछ दिन देहली में अलौकिक सेवा करके और अपने उस निमंत्रण का समय पूरा करके वापस आबू लौट आईं। दूसरे यज्ञ-वत्स भी इसी प्रकार कुछ दिन ज्ञान सेवा करके लौट आए। बाबा ने देखा कि ये थोड़े-से दिन कुछ ही आत्माओं की सेवा कर वापस लौट आई है। जैसे छोटे बच्चे घर में ही रहने में खुश रहते हैं और घर से निकलकर धंधा करना

> जब दिल्ली से भाई-बहनों की टीम वापस आ गई तो बाबा ने प्रेरणा भरी

इन्हें पहले अच्छा नहीं लगता है, बाबा ने देखा कि वैसे ही अभी यज्ञ वत्सों को दूसरी आत्माओं की ज्ञान सेवा करने का इतना शौक नहीं है।

अतः बाबा ने हमें फिर से मनुष्य आत्माओं के प्रति उपकार तथा करुणा की भावना भरनी शुरू की। बाबा कहते - बच्ची, अब आपको केवल अपने दैहिक संबंधियों की ज्ञान सेवा नहीं करनी है, बल्कि जितनी भी मनुष्यात्माएं इस सृष्टि में हैं, ये सभी ही तो आत्मिक नाते से आपके संबंधी हैं। अतः इन सभी पर ज्ञानामृत की वर्षा करके इन्हें निहाल करना है। बच्ची, अंधों की लाठी बनना है। यह ठीक है कि आपके जो मित्र-संबंधी शुरू में आपका विरोध करते थे और जिन्होंने आप पर अत्याचार किए थे, उनको आपने ईश्वरीय संदेश देकर अपने कर्त्तव्य का पालन किया, परन्तु आप ज्ञान-गंगाओं का कर्तव्य है कि वास्तव में सारे भारत को पावन करना है। नदियां एक जगह ठहरती नहीं हैं बल्कि नगर-नगर से बहती हुईं जन-जन की प्यास बुझाती हैं। अतः आप जाओ और भारत के नगर-नगर में विकारों से तृप्त हुई आत्माओं की सुख-शान्ति की प्यास इस ज्ञानामृत से तृप्त करो। अतः बाबा के इन जोरदार महावाक्यों को सुनकर हम कुछ दैवी बहनों ने बैठकर ईश्वरीय सेवा की योजना बनाई। बाबा का विशेष ध्यान भारत की राजधानी अर्थात् देहली पर था। बाबा कहते कि यहाँ से ही सतयुगी राज्य की कलम लगनी है। इसी बीच देहली की कुछ भाई-बहनें ने जोकि वहां हमारे सत्संग में आया करते थे, यज्ञ-माता और यज्ञ-पिता को एक पत्र लिखा कि हम ज्ञानामृत के बिना तड़प रहे हैं और ब्रह्माकुमारी बहनें हमें छोड़कर वापस आपके पास आ गईं हैं। उन्होंने बाबा से अनुनय किया कि बहनों को वापस ज्ञान वर्षा करने के लिए भेजा जाए। बाबा ने हमें फिर से जाने के लिए प्रेरित किया। आखिर हम फिर देहली के लिए रवाना हुईं। **क्रमशः**

अव्यक्त इशारे **राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी),** पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

सदा स्मृति रहे- हमारा साथी सर्वशक्तिवान है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हम सब कहते हैं कि बाबा आप हमारे साथ हो, तो बाबा के साथ का अनुभव होता है? बाबा साथ है तो हम चाहे जितने भी कमज़ोर हैं लेकिन हमारा साथी सर्वशक्तिवान है। सर्वशक्तिवान के साथ की शक्ति कमज़ोर में भी आ जाती है। जैसे साथ में कोई बहुत ताकत वाला होशियार होता है तो दिल में यह पक्का होता है कि मेरे साथ जो है वह बहुत होशियार ताकत वाला है। साथ की हिम्मत आ जाती है, डर नहीं रहता। ऐसे ही बाबा कहते हैं अगर आपको यह निश्चय है, अनुभव करते हैं कि बाबा मेरे साथ है तो फिर जो भी बातें सामने आती हैं, चाहे व्यक्ति द्वारा, चाहे प्रकृति द्वारा, वैभव द्वारा, उसमें हमको साथ का बल निर्भय बना देता है। यह चेक करना है कि हम कहते तो हैं बाबा हमारे साथ है। बाबा ने कहा है कि दो बांहों वाले का साथ याद रहता है लेकिन हज़ार भुजा वाला बाबा क्यों भूल जाता है! साकार में अगर कोई बहादुर हमारे साथ होता तो हम निर्भय हो जाते और हज़ार भुजाओं वाला बाबा हमारे साथ है तो फिर हम घबराएं क्यों! साथ का अनुभव तो कई करते हैं लेकिन कहते हैं मदद का अनुभव नहीं होता है। मदद का अनुभव क्यों नहीं होता? बाबा साकार में तो है नहीं।

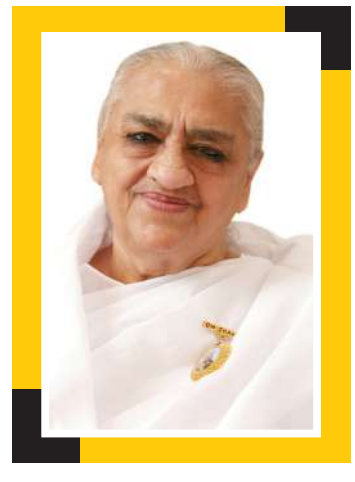

सूक्ष्म का अनुभव सूक्ष्म में ही होगा

ब्रह्मा बाबा भी अव्यक्त रूप में है, शिवबाबा तो है ही निराकार । तो वह अव्यक्त व निराकार सूक्ष्म रूप में है। सूक्ष्म रूप का अनुभव अगर हम सूक्ष्म रूप से करें, मन-बुद्धि सूक्ष्म हैं, हाथ पांव या कर्मेन्द्रियाँ दिखाई देती

> चे करें कि नॉलेज के आधार से बाबा को जाना है या दिल के अति स्नेह के संबंध से माना है?

हैं, उनको जैसे चाहें घुमाते हैं। मोटी चीज़ हैं। लेकिन शिवबाबा और ब्रह्मा बाबा दोनों ही सूक्ष्म हैं तो सूक्ष्म का अनुभव जब तक हम सूक्ष्म द्वारा नहीं करेंगे तब तक नहीं होगा। सूक्ष्म मन और बुद्धि हमारी क्लीयर होनी चाहिए। जैसे कोई भी चीज़ अगर क्लीयर नहीं है, कुछ मैल लगी है या कुछ ढका हुआ है, बीच में कुछ आ गया तो वह चीज़ काम नहीं करेगी। मन-बुद्धि द्वारा शिवबाबा के साथ बहुत गहरा संबंध चाहिए। ऐसे नहीं वह परमात्मा सर्वशक्तिवान है, सबसे ऊंचा है, यह दिमाग के रूप में नहीं जानना, लेकिन मन-बुद्धि से दिल का संबंध पहले जुटा हुआ हो। अगर मन-बुद्धि द्वारा शिव बाबा, ब्रह्मा बाबा से गहरा संबंध नहीं है, दूर का संबंध है, तो साथ का अनुभव नहीं होगा। पहले यह सोचें कि बाबा के साथ का अनुभव करने के लिए दिल का, मन-बुद्धि का पहले ज़िगरी संबंध है। जैसे स्थूल में कोई भी संबंध हमारा बहुत समीप का है, प्यार का है तो कहां भी होंगे, मन द्वारा एक सेकंड में वहां पहुंच जाएंगे। जैसे कोई की मां है, छोटा बच्चा है, वह अमेरिका में है और मां लंदन में है। लेकिन मां का संबंध प्यार का गहरा है। तो एक सेकंड में उसके पास पहुंच जाएंगे। इसी रीति से अगर बाबा के साथ का अनुभव करना है तो पहले यह क्वेश्चन उठता है कि मैंने नालेज के आधार से बाबा को जाना है या दिल के अति स्नेह के संबंध से माना है?

बाबा हमें सर्व संबंध से मदद कर सकता है

कहने में तो आता है बाबा मेरा सब कुछ है, माता भी है, बंधु भी है, बच्चा भी है... लेकिन अगर दिल के समीप का संबंध है तो जैसे स्थूल में बात आती तो उस समय जो सहयोग दे सकता है, वह याद आएगा। यह मेरा साथी बनकर समस्या का हल कर सकता है। इसी रीति से अगर हमारे दिल के स्नेह का संबंध बाबा से है तो कैसी भी परिस्थिति हो बड़ी हो, छोटी हो कामकाज की हो या शरीर की हो, किसी भी प्रकार की कठिन बात सामने आए तो बाबा ही याद आएगा, क्योंकि वही हमारा सबकुछ है। लौकिक संबंध में तो कोई फिर भी यथाशक्ति मदद कर सकता है, लेकिन सर्वशक्तिवान बाबा हमको सर्व रूप से, सर्व संबंध से मदद कर सकता है।

चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में जुटे देशभर के मीडिया दिग्गज

वैश्विक शांति और सद्भावना में है मीडिया की अहम भूमिका

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा ज्ञान सरोवर परिसर में राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देशभर से चुनिंदा जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार, संपादकों ने भाग लिया। वैश्विक शांति और सद्भावना के लिए सशक्त मीडिया विषय पर आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन में मीडिया दिग्गजों ने मंथन कर निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान समय में मीडिया ही परिवर्तन का श्रेष्ठ साधन और लोगों को प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है। सच्चाई पर आधारित पत्रकारिता से दुनिया की कोई भी ताकत मानवता की भलाई के लिए मीडिया के मिशन को बाधित नहीं कर सकती है।

सम्मेलन में भारतीय दूर संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि मीडिया को सत्य के मार्ग पर चलते हुए समाजिक बुराईयों को उजागर करना चाहिए। देश के विकास में अपनी जिम्मेवारी के निर्वहन के लिए स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता के आदर्श सामने रखने होंगे। जनता का हित सर्वोपरि मानते हुए हम मौलिक अधिकारों की रक्षा का दायित्व निभाएं।

राष्ट्रीय संयोजक बीके शांतनु ने कहा कि हमारा नारा स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन है। हमारा विश्वास है कि आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने से कई समस्याएं अपने आप सुलझ जाती हैं। मूल्यानिष्ठ मीडिया विश्व परिवर्तन में अहम भूमिका निभा सकता है। सिद्धपुर की सब जोनल मीडिया कोऑर्डिनेटर बीके विजया बहन ने राजयोग की अनुभूति कराई।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार

- मीडिया प्रभाग अध्यक्ष बीके करुणा भाई ने कहा कि हमारा प्रयास है मीडियाकर्मियों के जीवन में मूल्य और आध्यात्मिकता का समावेश हो, ताकि वह समाज को आध्यात्म के मार्ग पर ले जा सकें।
- अंतर्राष्ट्रीय पहलवान व बॉलीवुड अभिनेता संग्राम सिंह ने कहा कि सकारात्मकता के मार्ग पर चलकर मीडिया राष्ट्र विकास में अहम भूमिका निभा सकता है।
- संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि इस मेडिटेशन रिट्रीट में आपने मेडिटेशन का अभ्यास किया और शांति की गहन अनुभूति की, इस अभ्यास को आगे भी जारी रखें। अपने जीवन में सर्वोच्च मूल्य धारण करें। मीडिया समाज में शांति और सद्भावना को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाए।
- मधुबन न्यूज के संपादक बीके कोमल ने कहा कि सोशल मीडिया को फेक न्यूज फैलाने से रोकने और तथ्य रहित पत्रकारिता से स्वयं को बचाकर नकारात्मक समाचारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता के बिना समाज की वर्तमान स्थिति को परिवर्तित करना कठिन होगा।
- कोजीकोड केरल की लेखिका डॉ. इंदु मेनन ने कहा कि मीडिया को पूरी जागरुकता के साथ अपनी भूमिका का निर्वाह करना होगा।
- स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन ग्वालियर के प्रभारी डॉ. मनीष कुमार जैसल, हैदराबाद से आईं मीडिया प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला बहन, आगरा से आए बीके अमरचंद ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मीडिया के दिग्गजों के विचार

भारत में सोशल मीडिया हर घर पर हावी हो रहा है। जबकि चीन में आधी आबादी सोशल मीडिया से वंचित है। न्यूज चैनलों में समाचार प्रस्तुति के साथ लोग मनोरंजन की उम्मीद करने लगे हैं। ऐसे अनेक स्थानीय स्तर के समाचार पत्र उभर कर आ रहे हैं जिनमें 90 प्रतिशत तक पेड न्यूज होती है और लोग उससे भ्रमित हो जाते हैं। न्यूज चैनलों पर राजनीति हावी हो रही है। मीडिया के पास जो जादुई शक्ति है उसका सदुपयोग होना चाहिए।

- अमित वाधवानी, निदेशक व सह संस्थापक, बफरिंग मीडिया टैक्नोलॉजी, मुंबई

कोरोना काल में मीडिया ने सरकार और जनता के बीच पुल का काम करते हुए बढ़िया भूमिका निभाई। डिजीटल मीडिया की चुनौतियों के बावजूद प्रिंट मीडिया को लोकतंत्र के विकास में संवेदनशील भूमिका निभाते रहना चाहिए।

- डॉ. ध्रुव ज्योति पाटी, निदेशक, इंडिया टुडे दूर संचार संस्थान

मूल्यनिष्ठ शिक्षा

से ही भारत को विश्वगुरु बनाने की राह होगी आसान

शिव आमंत्रण, माउंट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग द्वारा ज्ञानसरोवर परिसर में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षाविदों के लिए शिक्षक नई पीढ़ी के शिल्पकार विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पूर्व केन्द्रीय संस्कृति, पर्यटन एवं वन मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि मैंने इस आध्यात्मिक ज्ञान से अपने जीवन में सुखद परिवर्तन अनुभव किया है। आध्यात्मिकता से ही दिव्यता की ओर उन्मुख हुआ जा सकता है। भगवान ने जब इस दुनिया को और मनुष्य को रचा तो उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ सुन्दर रचना रची थी। उन्होंने सदा सुखमय जीवन के लिए कुछ आध्यात्मिक मूल्य भी दिए थे। सबको देने वाला तो परमात्मा है। वही सबका सच्चा सतगुरु है। मैं अपने दिन की शुरुआत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग मेडिटेशन से करता हूं और दिनभर के लिए स्वयं को चार्ज, ऊर्जा से भरपूर अनुभव करता हूं।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि सबसे श्रेष्ठ दान है 'विद्या दान। उसमें ही सर्वश्रेष्ठ है आध्यात्मिक ज्ञान। एक शिक्षक अनेकों का भविष्य बनाने का कार्य करता है। परमात्मा आध्यात्मिकता के बल से भारत का पुर्नउत्थान कर रहे हैं।

शिक्षाविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन माउंट आबू में आयोजित

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. बीके मृत्युंजय ने कहा कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में परम शिक्षक शिव ने हमें चार विषयों- सत्य गीता ज्ञान, सहज राजयोग, मूल्यों व दिव्य गुणों की धारणा एवं मानव मात्र के लिए सेवा भाव, के माध्यम से सम्पूर्ण ज्ञान प्रदान किया है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. बीजे राव ने कहा कि सच्ची शिक्षा से मनुष्य न केवल शिक्षित कहलाता है, बल्कि वो प्रबुद्ध अलौकिक मानवीय व्यक्तित्व बन जाता है।

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के उपकुलपति प्रो. डॉ.मुकेश कुमार वर्मा ने कहा कि ज्ञान की महत्ता उसे आचार, विचार व व्यवहार में लाने से है। प्रभाग की उपाध्यक्षा बीके शीलू ने राजयोग की अनुभूति कराई। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के उपकुलपति प्रो. दीपेन्द्र नाथ दास, फार्मास्यूटिकल साइंस एण्ड रिसर्च यूनिवर्सिटी के उपकुलपति प्रो. रमेश गोयल, मूल्यनिष्ठ कार्यक्रम के निदेशक बीके डॉ. पांड्यामणि, राष्ट्रीय संयोजिका बीके सुमन, मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राजयोग मेडिटेशन

व्यायाम और संतुलित भोजन से ठीक हो रहे हृदय रोगी

आबू रोड/राजस्थान।

जैसा मन-वैसा तन- इस महावाक्य पर वर्षों तक शोध और रिसर्च कर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल प्रभाग ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे डॉक्टर भी अचंभित हैं। इसे श्री डायमेंशल हेल्थ केयर प्रोग्राम फॉर हेल्दी माइंड, हार्ट एवं बॉडी (कैड) प्रोग्राम नाम दिया गया। इसके तहत हृदय रोगियों के लिए आबू रोड स्थित मनमोहिनी परिसर में दस दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। शिविर में मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आप सभी परमात्मा के घर में आए हैं। सभी यहां से संकल्प करके जाएं कि मैं तन और मन से स्वस्थ हो गया हूं। ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने भी विचार व्यक्त किए। कैड प्रोजेक्ट के को-ऑर्डिनेटर व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश गुप्ता ने कहा कि मेडिटेशन, संतुलित व सात्विक आहार, व्यायाम और प्रशिक्षण से हजारों हृदय रोगियों का दिल फिर से सामान्य लोगों की तरह धड़कने लगा है। सैकड़ों ऐसे लोग हैं जिन्हें हार्ट में 90 फीसदी तक ब्लॉकेज हो चुके थे और डॉक्टर्स ने बायपास सर्जरी कराने की सलाह दी थी लेकिन कैड प्रोग्राम में प्रशिक्षण लेने के बाद आज वह स्वस्थ जीवनशैली जी रहे हैं। बायपास की भी जरूरत नहीं पड़ी और ब्लॉकेज भी सामान्य हो गए हैं। इस श्रीडी प्रोग्राम में प्रशिक्षण लेकर अब तक करीब 12 हजार से अधिक हृदय रोगी ठीक हो चुके हैं। इस प्रशिक्षण के दौरान और मरीज के ठीक होने तक इन सभी को दिलवाले के नाम से पुकारा जाता है।

दस दिवसीय 3डी कैड प्रोग्राम से हृदय रोगियों को मिल रहा लाभ

संपादकीय

योग से भाग जाएंगे सब रोग

पिछले कुछ वर्षों में योग के प्रति लोगों का रुझाान बढ़ा है। अब तो लोगों में इतनी जारूकता आ गई है कि बच्चों से लेकर बूढ़े तक हर कोई अपनी दिनचर्या में योग को शामिल कर लिया है। योग और राजयोग से तन और मन की बीमारी ठीक होने में मदद करती है। तन और मन के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि हम प्रातः काल या जब भी समय मिले अपने लिए अवश्य थोड़ा टाइम निकालें। जैसे परिवार और अपने कार्य व्यवहार के लिए शक्ति और सामर्थ्य की जरूरत होती है, वैसे ही मन और तन को चलाने के लिए शक्ति की जरूरत होती है। इससे ही हमारे जीवन में सामंजस्य बना रहता है।

यही कारण है कि अब वैज्ञानिक, चिकित्सक और मनोचिकित्सक भी कहने लगे हैं कि सर्वांगीण स्वास्थ्य के लिए आध्यात्म के साथ राजयोग ध्यान जरूरी है। इससे ही हमारी स्थिति उच्च रह सकती है। परिवार और कार्य व्यवहार को सुचारू रूप से चलाने के लिए भी जरूरी है कि हम सकारात्मकता को अपने जीवन में अपनाएं और जीवन को स्वर्ग बनाएं। परिवार, बच्चों और कार्य स्थल पर सुस्ती, आलस्य को दूर करने और हमेशा तरोताजा रहने के लिए भी जरूरी है कि हम शारीरिक व्यायाम प्रतिदिन करें। साथ ही मन को सशक्त बनाने और अन्तर्मन में ऊर्जा भरने के लिए आध्यात्म और राजयोग का सहारा लें। इससे आपके अन्दर एक असीम ऊर्जा का एहसास होगा। साथ ही आपके कार्य व्यवहार में एक नयापन आएगा। तनाव और विपरीत परिस्थितियों में दुख और मान-अपमान से ऊपर उठने के लिए अपने जीवन को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। यही योग दिवस का संदेश है।

बोध कथा/जीवन की सीख

एक चुप सौ सुख

एक मछलीमार कांटा डाले तालाब के किनारे बैठा था। काफी समय बाद भी कोई मछली कांटे में नहीं फंसी, न ही कोई हलचल हुई तो वह सोचने लगा कहीं ऐसा तो नहीं कि मैंने कांटा गलत जगह डाला है, यहां कोई मछली ही न हो। उसने तालाब में झांका तो देखा कि उसके कांटे के आसपास तो बहुत-सी मछलियां थीं। उसे बहुत आश्चर्य हुआ कि इतनी मछलियां होने के बाद भी कोई मछली फंसी क्यों नहीं! एक राहगीर ने जब यह नजारा देखा तो उससे कहा-'लगता है भैया, यहां पर मछली मारने बहुत दिनों बाद आए हो! अब इस तालाब की मछलियां कांटे में नहीं फंसती।

मछलीमार ने हैरत से पूछा- 'क्यों, ऐसा क्या है यहां? राहगीर बोला-'पिछले दिनों तालाब के किनारे एक बहुत बड़े संत ठहरे थे। उन्होंने यहां मौन की महत्ता पर प्रवचन दिया था। उनकी वाणी में इतना तेज था कि जब वे प्रवचन देते तो सारी मछलियां भी बड़े ध्यान से सुनतीं। यह उनके प्रवचनों का ही असर है कि उसके बाद जब भी कोई इन्हें फंसाने के लिए कांटा डालकर बैठता है तो ये मौन धारण कर लेती हैं। जब मछली मुंह खोलेगी ही नहीं तो कांटे में फंसेगी कैसे? इसलिए बेहतर यही होगा कि आप कहीं और जाकर कांटा डालो।

परमात्मा ने हर इंसान को दो आंख, दो कान, दो नासिका, हर इंद्रीय दो- दो प्रदान किया है। पर जिह्वा एक ही दी, क्या कारण रहा होगा ? क्योंकि यह एक ही अनेकों भयंकर परिस्थितियां पैदा करने के लिए पर्याप्त है। संत ने कितनी सही बात कही कि जब मुंह खोलोगे ही नहीं तो फंसोगे कैसे? अगर इन्द्रीय पर संयम करना चाहते हैं तो इस जिह्वा पर नियंत्रण कर लेवें। बाकी सब इन्द्रियां स्वयं नियंत्रित रहेंगी। यह बात हमें भी अपने जीवन में उतार लेनी चाहिए। कई बार व्यक्ति के अनुचित या व्यर्थ बोल से बनते काम भी बिगड़ जाते हैं। जीवनभर के लिए रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो जाती है। उसका समाज में यश गिर जाता है। वर्तमान में देखें तो बहुत सी समस्याएं का कारण ज्यादा बोलना या अनुचित बोलना ही है।

संदेश: परमात्मा कहते हैं कि कम बोलो, धीरे बोले, मीठा बोलो। हमारी मीठी वाणी से बिगड़ते काम बन जाते हैं। लोगों की दुआओं के पात्र बन जाते हैं। वाणी से हमारे व्यक्तित्व की पहचान होती है। जिस व्यक्ति का व्यक्तित्व जितना गंभीर, गहराईपूर्ण, गुणों से भरपूर होता है उसकी वाणी में उतनी ही विनम्रता होती है। विनम्रता पूर्वक व्यवहार हमारे चरित्र को ऊंच बनाता है। समाज में सम्मान दिलाता है। कई बार न बोलना भी उचित रहता है।

मेरी कलम से

प्रोफेसर डॉ.
अनिता महतो,
पूर्णिया, बिहार

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से सीखा- बदला नहीं लेना है हमें बदलकर दिखाना है

राजयोग मेडिटेशन से मेरे जीवन में आए कई बदलाव

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

पिछले 13 साल से ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से जुड़ी हूं। उससे पहले गायत्री परिवार से जुड़ी हुई थी। गायत्री परिवार से जुड़े होने के समय ही मुझे स्वप्न में रोज विनाश का सीन और सफेद वस्त्र धारिणी बहनों का साक्षात्कार होता था। उसके बाद मैं अपने गायत्री परिवार के बड़े-बड़े हरिद्वार वालों से पूछती थीं लेकिन उनके पास जवाब नहीं होता। एक दिन एक ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ी परिचित बहन मुझे सेवाकेंद्र ले गई। जहां मैंने सपने में देखा हुआ साक्षात्कार साक्षात अपने सामने चर्म चक्षु से देखा। उसके बाद हमारी अध्यात्मिक यात्रा शुरू हुई। जिन सवालों के जवाब मैं ढूंढ रही थी, वह मिल गए। सात

दिन के राजयोग मेडिटेशन के कोर्स के बाद मेरे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ गए। फिर मैंने नियमित अमृतवेला उठकर मेडिटेशन का अभ्यास शुरू किया। योग से मेरे जीवन में काफी बदलाव आए। मेरे अंदर विशेष सहनशीलता की शक्ति बढ़ गई। एक बार किसी प्रोफेसर ने मुझे अपमानित किया था। उसके लिए मैं महिला आयोग जाने वाली थी फिर अगले दिन बाबा के महावाक्य में मैंने पढ़ा कि बदला नहीं लेना है किसी से, बदल के दिखाना है। उसके बाद हमारा मन बदल गया और मैंने उसे माफ कर दिया। एक बार एक्सीडेंट के बाद हाथ फैक्चर हो गया, जिसमें मुझे काफी दर्द रहता था तब मैंने महसूस किया दादी के तन में बाबा मुझे शहला रहें हैं और मेरा दर्द खत्म हो गया। खुद का और समाज कल्याण के लिए पिछले 10 साल से ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला अपने घर में चला रही हूं। मेरा मानना है कि आध्यात्मिक ज्ञान के मनन, चिंतन, पठन-पाठन से ही हमारे विचारों में वास्तविक रूप में सकारात्मक बदलाव आता है। इसमें राजयोग मेडिटेशन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

समृद्ध परंपरा द्वारा व्यवहार दर्शन का अनुष्ठान

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 59

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

शिव आमंत्रण, आबू रोड। मूल्यगत आचरण के आचार्य की धारणात्मक श्रेष्ठता के प्रति श्रद्धा, आस्था एवं मान्यता की नैसर्गिक पक्षधरता सदा मानव जाति को 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः, आचार्य देवो भवः, सत्यं वद एवं धर्मं चर' के मार्ग पर गतिशील बने रहने के लिए प्रेरित करती है जिसमें मूल्यपरक जीवन में व्यवहारगत सिद्धांत से मर्यादित आचरण का नैतिक संबल अंतर्मन को चरैवेति-चरैवेति के नैसर्गिक व्यवहार को आत्मसात करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करता है जिससे आध्यात्मिक अनुसंधान द्वारा शैक्षणिक क्रियाविधि के अंतर्गत प्रशिक्षण से आत्मिक अध्ययन का विराट अनुष्ठान आत्मिक अनुकरण और अनुसरण का महत्वपूर्ण स्रोत बन जाता है।

आत्मगत समृद्धि द्वारा उच्चतम आयाम :

आत्मा की समृद्धशाली परंपरा का निर्वहन सदा ही अध्यात्म की शक्ति से अनुप्राणित होता है जो व्यवहार दर्शन के माध्यम से आध्यात्मिक जगत में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नैसर्गिक अभिप्रेरणा के स्वरूप में परिलक्षित होकर सर्व आत्माओं को आत्मगत स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव की नैसर्गिक अनुभूति करा देता है जिससे मानव जीवन में आत्म समृद्धि द्वारा उच्च आयाम को सहजता से प्राप्त किया जा सकता है । मानव जीवन में सैद्धांतिक परिदृश्य का वास्तविक परिवेश क्रियान्वित होने से चेतना की संतुष्टता , आत्म परिष्कार में अनिवार्य परिवर्तन से व्यावहारिक परिणाम को प्राप्त कर लेती है जिससे ज्ञान बोध में सत्य दर्शन द्वारा आत्मिक संपन्नता का सिद्ध स्वरूप

जीवात्मा के लिए बड़े भाग्य मानुष तन पावा के रूप में उद्घाटित हो जाता है ।

क्षमा कल्याण व्यवहार से आत्मगत अनुभूतिः

आत्मिक उत्कर्ष की ओर गतिशील जीवन का आधारभूत पक्ष भगीरथ पुरुषार्थ से आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है जिसके अंतर्गत योग सत्कर्म में जीवन दर्शन से उपराम स्थिति की अनुभूति का रहस्यवादी स्वरूप आत्मिक चैतन्यता को धारणा अनुसरण में आत्म दर्शन द्वारा कर्मातीत अवस्था की उच्चता पर स्थापित कर देता है । मानव सेवा से माधव सेवा का जीवित जिजीविषा की जीवंतता से संबद्ध सुखांत जब –' सेवा अस्माकं धर्मः' का पर्याय बन जाता है तब सेवा परोपकार में परमात्म दर्शन द्वारा अव्यक्त स्वरूप की दिव्य अनुभूति चेतनता को संपूर्णता से अभिभूत कर देती है जिससे क्षमा कल्याण में व्यवहार दर्शन द्वारा मनोगत पवित्रता , समस्त वातावरण को नैसर्गिक रूप से सुशोभित कर देती है ।

प्रेरणात्मक अभिव्यक्ति में सृजनात्मक समाधान :

आत्मगत उच्चता की अभिलाषा में जीवन पर्यंत साधक द्वारा साधना के पथ पर अग्रसर रहकर साध्य तक पहुंचने के लिए पवित्र साधन का ही प्रयोग किया जाना मंगलकारी समृद्धि में उच्च दर्शन से रूपांतरित देवात्मा के प्रतिबिंब का दुर्लभ परिणाम है जो चिंतनशील चेतना में प्रेरणात्मक अभिव्यक्ति द्वारा सृजनात्मक समाधान की महान परिणीति के माध्यम से प्रस्फुटित होता है।

मूल्यगत आचरण के आचार्य की धारणात्मक श्रेष्ठता के प्रति श्रद्धा, आस्था एवं मान्यता की नैसर्गिक पक्षधरता सदा मानव जाति को मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः, आचार्य देवो भवः , सत्यं वद , एवं धर्मं चर के मार्ग पर गतिशील बने रहने के लिए प्रेरित करती है जिसमें मूल्यपरक जीवन में व्यवहारगत सिद्धांत से मर्यादित आचरण का नैतिक संबल अंतर्मन को चरैवेति-चरैवेति के नैसर्गिक व्यवहार को आत्मसात करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करता है। जिससे आध्यात्मिक अनुसंधान द्वारा शैक्षणिक क्रियाविधि के अंतर्गत प्रशिक्षण से आत्मिक अध्ययन का विराट अनुष्ठान आत्मिक अनुकरण और अनुसरण का महत्वपूर्ण स्रोत बन जाता है ।

सत्यनिष्ठ पवित्रता द्वारा महानतम व्यवहारः

जीवन की गतिशील प्रक्रिया में चेतना द्वारा उत्कृष्ट चिंतन का समावेश हो जाने से अच्छा सोचना, अच्छा देखना, अच्छा बोलना, अच्छा सुनना के साथ-साथ, अच्छा करना, भी नैसर्गिक रूप में जीवन लक्ष्य से ही संबद्ध हो जाता है तब मन, वचन एवं कर्म के मध्य व्यावहारिक रूप से संतुलन स्थापित करना सहज हो जाता है। लोक व्यवहार में नीतिगत समृद्ध परंपरा द्वारा व्यवहार दर्शन का अनुष्ठान करते समय – धरत पड़िए पर धर्म न छोड़िए का संदर्भ और प्रसंग इसलिए उल्लेखित किया जाता है क्योंकि भारतीयता के धर्मगत आचरण की व्यवहारिक पृष्ठभूमि में प्राण जाए पर वचन न जाई से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ाव की मनोभूमि सदा सत्यनिष्ठ पवित्रता द्वारा प्रतिपादित महानतम व्यवहार को ही रेखांकित करती है।

"ध्यान (योग) से ही हम इंद्रियों पर संयम रखकर एकाग्रता प्राप्त कर सकते हैं।"

स्वामी विवेकानंद, युगपुरुष

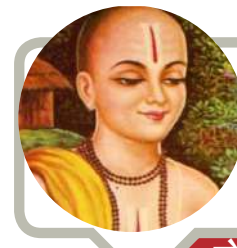

"जब तक मन में काम की भावना, गुस्सा, अहंकार, और लालच भरे हुए होते हैं. तब तक एक ज्ञानी व्यक्ति और मूर्ख व्यक्ति में कोई अंतर नहीं होता है।"

गोस्वामी तुलसीदास, संत, कवि

परमात्मा शिव कर रहे हैं स्वर्णिम युग की स्थापना: बीके पूनम

शिव आमंत्रण, महू/उप्र।

- महू में नौ दिवसीय अलविदा तनाव कार्यक्रम आयोजित
- बड़े संख्या में शहर के गणमान्य लोगों ने लिया भाग

आमतौर पर होने वाले यज्ञ में तेल,जौ आदि की आहूति डाली जाती है, लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित अलविदा तनाव कार्यक्रम के आठवें दिन लोगों ने मानव की आंतरिक बुराइयों, विकारों एवं व्यसनों की आहुति दी। इस दौरान नौ दिन तक अलग-अलग उत्सव मनाए गए।

इंदौर से पधारीं मुख्य वक्ता व तनाव प्रबंधन विशेषज्ञ बीके पूनम दीदी ने कहा कि वर्तमान समय सृष्टि पर परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण हो चुका है और वह स्वर्णिम युग की पुनर्स्थापना का अपना अलौकिक कर्तव्य कर रहे हैं। यह सृष्टि परिवर्तन की संधि काल अर्थात् सर्वोत्तम संगम युग की घड़ी है। यदि इस समय हम परमात्मा को पहचान कर अपनी आत्मा रूपी बैटरी को ईश्वरीय शक्तियों एवं दिव्य गुणों से भरपूर करेंगे तो जन्म जन्मांतर के लिए हमारा जीवन सुख, शांति, प्रेम, आनंद एवं खुशहाली से भरपूर बनेगा। मानव सृष्टि के आदिकाल में अपने देव स्वरूप में था। अब पुनः समय आ गया है, अपने उसी स्वरूप को जागृत करने का। यदि हम परमात्मा शिव से संबंध जोड़कर राजयोग मेडिटेशन द्वारा अपनी आंतरिक शक्तियों एवं खूबियों को जागृत नहीं करेंगे तो आने वाली विपरीत परिस्थितियों, समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना नहीं कर सकेंगे। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके सुरेंद्र दीदी ने कहा कि विकारों, बुराइयों, व्यसनों की आहुति आपके जीवन में सफलता एवं खुशहाली के नए द्वार खोलेगी। मऊ जिला प्रभारी बीके विमला दीदी ने कहा कार्यक्रम से जीवन में आशा की नई किरण बनकर आएगा।

ये भी रहे मौजूद

माउंट आबू मुख्यालय से संस्थान के पीआरओ बीके कोमल, संस्था के क्षेत्रीय प्रबंधक बीके दीपेंद्र, बीके पंकज, पुष्पा दीदी, निर्मला दीदी, अमिता दीदी, शशि दीदी, सरोज दीदी, स्मिता दीदी, ममता दीदी, बीके रामकृष्ण, बीके अमरजीत, बीके श्रीराम, बीके वीरेंद्र, बीके रामसरिक, बीके तापोसी ने मंच पर शिव ध्वज लहराया। अतिथि के रुप में डॉ. मनोज गुप्ता, कल्पना गुप्ता, डॉ. गुंजन गर्ग, पवन खंडेलवाल, श्रीराम जायसवाल, डॉ. अश्वनी सिंह, डॉ. शशांक शेखर सिंह, डॉ. विजय के सिंह, आरपी सिंह, केके पांडेय, हंसनाथ तिवारी, ओम प्रकाश यादव, डॉ. सीएम राय, इंजीनियर जितेंद्र सिंह, पावर लिफ्टिंग के क्षेत्र में 8 बार स्वर्ण पदक विजेता संस्था के सदस्य वीरेंद्र मरकाम, सिंधी समाज से अशोक कुमार एवं परमानंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हिसार के भाई-बहनों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, हिसार/हरियाणा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के नगर आगमन पर वरिष्ठ भाई-बहिनों ने स्वागत किया और हिसार सेवाकेंद्र के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन में पधारने का निमंत्रण दिया। साथ ही राष्ट्रपति को हिसार क्षेत्र में संस्थान की ओर से की जा रहीं सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके रमेश सहित बीके अनिता बहिन, बीके वंदना बहिन, बीके डॉ. रामप्रकाश, बीके डॉ. संदीप सूरी और बीके महेश भाई मौजूद रहे।

खुशी का रहस्य शिविर आयोजित

शिव आमंत्रण, मोकामा/बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा सीआरपीएफ ग्रुप सेन्टर में स्वास्थ्य स्मृद्धि और खुशी का रहस्य विषय पर तीन दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें प्रख्यात वक्ता बीके ईवी गिरीश भाई ने साकारात्मक चिंतन, संबंधों में मधुरता और जीवन जीने की कला विषय पर विस्तार से चर्चा कर सबको लाभान्वित किया। इस दौरान कैम्प के डीआईजी रवीन्द्र भगत, कावा अध्यक्ष नीरू भगत, उप कमांडेंट (प्रशा.) उपेन्द्र सिंह, बीके निशा, बीके ज्योति, बीके रोशनी, बीके विपिन, बीके नमन व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मप्र के राज्यपाल को दिया निमंत्रण

शिव आमंत्रण, भोपाल/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल मुख्यालय राजयोग भवन से जोनल निदेशिका ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी, प्रशासक प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका डॉ. बीके रीना, बीके आकृति, बीके दीपेंद्र भाई और बीके रोहित भाई ने राज भवन पहुंचकर राज्यपाल मंगूभाई छगनलाल पटेल से मुलाकात कर माउंट आबू में आयोजित प्रशासक सम्मलेन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही भोपाल क्षेत्र में संस्थान द्वारा की जा रहीं सामाजिक सेवाओं की जानकारी दी।

शिव आमंत्रण, बड़ोदरा/गुजरात। ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा बड़ोदरा सेवाकेंद्र पर कला एवं संस्कृति प्रभाग की ओर से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें माउंट आबू से प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके सतीश भाई, ओम शांति मीडिया के उपसंपादक बीके गोविंद भाई, भाजपा मीडिया सेल के दिनेशभाई ठक्कर, लोकभारती ग्राम विद्यापीठ के पूर्व निदेशक प्रवीणभाई ठक्कर, बीसीसीआई उपाध्यक्ष सुभाषभाई नागरशेठ, रेडियो सरगम 90.8 एफएम इंदौर के प्रबंध निदेशक बीके आशीषभाई, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनमबेन मुख्य रूप से मौजूद रहीं। सम्मेलन में शहर के 200 से अधिक जाने-माने कवि और मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, पठानकोट/पंजाब। जल जन अभियान के जन जागृति शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर आर्मी स्कूल की प्रिंसिपल मीनू राठौर, मामून कैंट आर्मी स्कूल की प्रिंसिपल शिवानी बाली, सेवाकेंद्र संचालिका बीके सत्या, बीके प्रताप ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया।

योगयुक्त जीवन से मिलता है अतीन्द्रिय सुख

समस्या- समाधान राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

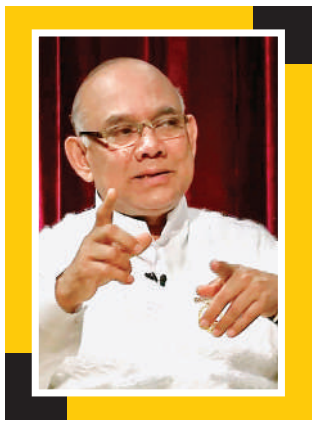

- अमृतवेला उठकर रोज नए-नए स्वमानों का अभ्यास करें और उसकी अनुभूति भी करें

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

बाबा ने कभी कहा स्वर्ग का सुखः तराजू के एक पलड़े में रखो और संगमयुग का सुख तराजू के दूसरे पलड़े में। सतयुग में सब भौतिक सुख हैं, आनंद मौज है, लेकिन अतीन्द्रिय सुख जो हमें योगयुक्त होने से मिलता है ये और किसी काल में नहीं मिलता। तो इस सुख से हमें स्वयं को भरपूर करना है। हमें खुद से पूछना है कि इच्छा है, हमें स्वयं को इससे भरने की, क्या हमारे अंतर्मन से आवाज आती है। संगमयुग सफल उनका ही है जो अपने जीवन को योगयुक्त जीवन बनाएं। क्योंकि योगयुक्त होने पर हम माया के सभी बंधनों से मुक्त हो जाते हैं। संसार के आकर्षणों से भी। अगर हम अपने जीवन को योगयुक्त बना लें तो सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। कुछ चीजों को हमें स्वीकार करके आगे बढ़ना होगा। योगयुक्त जीवन ही सुखी जीवन है। हमें कैसे अपना योगयुक्त जीवन बनाना है, ताकि ये अंतिम जीवन संतुलित हो। अभी कोई विकर्म अचानक जागृत हो गया है फिर बुद्धि को वो इतना डिस्टर्ब कर देता है कि योग कठिन लगने लगता है। हमें अपनी योगयुक्त जीवन के लिए बहुत अच्छा प्लान करना चाहिए। क्योंकि इसमें एकाग्रता बहुत बड़ी चीज है और मन को भटकाने वाली हजारों चीजें हैं।

अमृतवेला अनुभूति करना जरूरी

फर्स्ट लाइन जो लिखे हैं उसमें संकट नहीं सेकंड होगा। मन की भागदौड़ को रोकने के लिए पहली चीज अमृतवेले उठकर विशेष अनुभूति करना, जो लंबा समय अमृतवेला

कर्म का प्रभाव ज्यादा पड़ता है

हमें पता होना चाहिए बहुत माया तो बाबा ने हर ली, थोड़ी सी छोड़ी है। क्योंकि तुम भी तो कुछ करो तब तो शक्तिशाली बनोगे। मैं ही सबकुछ कर दूंगा तब तो कमजोर रह जाओगे। बाबा ने जो हमें दिया उसको याद करके शुक्रिया करना, ये बहुत सुंदर तरीक़ा है योगयुक्त जीवन बनाने का। उसके प्यार में मगन होने का। सारे दिन हम कर्मक्षेत्र पर रहते हैं, कर्म का प्रभाव ही मनुष्य के ऊपर सबसे ज्यादा पड़ता है। कर्म में हम मनुष्यों के साथ संबंध में आते हैं। हमारा साथी कर्म क्षेत्र पर कैसा हैं वो हमें योगयुक्त रहने देगा या अपना और हमारा दोनों का तोड़ देगा इस पर बहुत कुछ निर्भर है।

नहीं उठते वो योग मैं सच्चा सुख नहीं प्राप्त कर सकते हैं। बाबा ने कहा हैं कि सुबह 4 से 5 का टाइम बच्चों के लिए है। इस समय बाबा मुलाकात करता है, दृष्टि देता है, प्यार देता है। समस्याओं का समाधान देता है। शक्तियां देता है। ये अनुभूति होने लगेगी और वह थोड़े से क्षण भी यादगार बन जाएंगे। अमृतवेले सब बहुत अच्छा समय व्यतीत करें। प्लानिंग के साथ सुबह के समय को बिताएंगे। अगर हम 3 बजे या चार बजे उठ रहे हैं, बाबा के कमरे में बैठ रहे हैं तो हम वहां क्या अभ्यास करें ये हमारें बुद्धि में निश्चित होना चाहिए। ये नहीं बस बाबा के रूम में बैठकर आ गए और पता ही नहीं क्या किया। विशेष रूप से अपने को अच्छे स्वमान में स्थित करना जैसे मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूं। मैं मन-बुद्धि की मालिक हूं। भृकुटी मेरा सिंघासन है। मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूं। चिंतन अवश्य करेंगे। सिर्फ संकल्प करके छोड़ नहीं देना है। बाबा के सुंदर बोल याद करें। तुम मास्टर ज्ञान सूर्य हो, तुम्हारी शक्तियों की किरणों से इस संसार से माया के कीटाणु नष्ट हो रहे हैं। अभ्यास करेंगे किरणें फैल रही हैं। संसार में माया के कीटाणु नष्ट हो रहे हैं। ऐसे तीन चार स्वमान अच्छे से अभ्यास करना है। फिर अशरीरी होने का बिलकुल स्पष्ट अनुभव ये शरीर अलग, मैं अलग। मैं तेजस्वी आत्मा हूं। शक्तिशाली हूं, पवित्र हूं, सुखों से, खुशियों से भरपूर हूं आदि चिंतन करें।

चिंतन है अनुभवों का आधार-

हमारे चिंतन ही हमारे अनुभवों का आधार हैं। ये लक्ष्य बनाना कि पांच स्वरूपों का अभ्यास जरूर करना है। इससे व्यर्थ भी समाप्त होता है और नई-नई अनुभूतियां भी होती है। हमें सारे संसार को सकाश भी देना है, ये बहुत बड़ा पुण्य है। इससे हमारी एकाग्रता बढ़ती है और योग का सुख भी बढ़ता है। हम कुछ इस तरह अभ्यास कर सकते हैं- मैं लाइट हाउस- माइट हाउस फरिश्ता हूं... मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूं... किरणें फैल रही हैं। ये अभ्यास करने से चलते-फिरते सभी को सकाश मिलती रहेगी। सकाश देने के लिए देखें संसार की सारी आत्माओं को अपने शरीर में बैठे हुए मस्तक के मध्य में चमक रही हैं। आत्माएँ ये देखते ही उन सबको हमारे वाइब्रेशन महसूस होंगे।

स्व प्रबंधन राजयोगिनी ऊषा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, माउंट आबू

सहयोग देना देवताई लक्षण और गुण है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आज के संसार में व्यक्ति इतना स्वार्थी हो गया है कि वह सिर्फ अपने बारे में ही सोचता है, किसी को सहयोग देने के लिए न भावना है और न ही उसके पास समय है। सहयोग शब्द में भी 'योग' शब्द समाया है और 'योग' माना ही संबंध तो जब आपस में हमारा अच्छा स्नेहयुक्त संबंध हो तब जाकर हम एक-दूसरे को सहयोग दे सकते हैं। आपस में यदि हमारे संस्कार मिलते हों, तब सहयोग दे सकते हैं। अगर संस्कार मिलते ही न हों तो एक-दूसरे के समीप आना भी बहुत कठिन होता है।

शास्त्रों में भी दिखाया है कि श्री कृष्ण को भी जब गोवर्धन पर्वत उठाना था तो सभी गोप-गोपियों ने अपनी एक-एक अंगुली का सहयोग दिया था, तब वह पर्वत उठा सके थे। कहने का भाव यह है कि जब जीवन में बड़े से बड़ी पहाड़ जैसी बातें आती हैं तब उस पहाड़ को पार करने के लिए अपने स्नेहियों के सहयोग की आवश्यकता होती है। कम से कम उनकी शुभ भावनाएं और शुभ कामनाएं भी हमारे लिए दुआएं बन उस पहाड़ जैसी परिस्थिति को पार करने में बहुत मदद करती हैं। लोगों के प्रित नफरत और द्वेष रखने से हमें समय पर सहयोग नहीं मिलता। किसी ने कहा है कि सहयोग देना और लेना देवताई लक्षण, गुण है। सहयोग न देना न लेना यह आसुरी लक्षण है। शास्त्रों में एक कथा का वर्णन है-

एक बार इंद्र राजा ने एक दावत रखी, जिसमें देवताओं और असुरों को दोनों को आमंत्रित किया गया। देवता भी पहुंचे और असुर भी पहुंचे। देवताओं को देख असुरों ने राजा इन्द्र से कहा कि कहीं कोई चाल तो नहीं। राजा इन्द्र ने मुस्कुराकर कहा कि कोई चाल नहीं। असुरों ने कहा कि हम भोजन के लिए पहले बैठेंगे, देवताओं का बचा हुआ स्वीकार नहीं करेंगे। राजा इन्द्र ने कहा कि दोनों साथ-साथ भोजन के लिए बैठेंगे, आजू-बाजू के कक्ष में। भोजन का समय हुआ, दोनों कक्षों में सारी तैयारी हो चुकी थी। अब राजा इन्द्र ने कहा कि भोजन के लिए एक शर्त है कि भोजन सीधे हाथ रखकर करना है और उसके लिए सबके हाथों के साथ एक लकड़ी की पट्टी बांधी जाएगी। देवताओं को भी लकड़ी की पट्टी बांधी तो असुरों को भी लकड़ी की पट्टी बांध दी गई। दोनों को अपने-अपने भोजन कक्ष में भेजा गया। 36 प्रकार के व्यंजन थाली में परोसे थे, बहुत सुन्दर महक आ रही थी। अब असुरों ने खाना उछल-उछल कर खाने का प्रयत्न किया फिर भी सारे व्यंजन खा नहीं पाए और सारा भोजन कक्ष गंदा कर दिया। वहीं देवताएं बड़ी शांति से भोजन कर रहे थे। क्योंकि वे एक-दूसरे के सामने बैठे और एक-दूसरे को प्यार से खिलाने लगे, क्योंकि उनका आपस में प्यार भरा मधुर संबंध था तो एक दूसरे के सहयोगी बन एक-दूसरों को प्यार से खिला रहे थे। असुरों का आपस में भी प्यार भरा मधुर संबंध नहीं था तो एक-दूसरे के सहयोगी कैसे बन सकते थे। भाव यही है कि सहयोग देना और लेना, यह देवताई लक्षण, गुण है। सहयोग न देना और न लेना यह आसुरी लक्षण है। सहयोग की शक्ति से कार्य सहज, सरल और सुन्दर हो जाता है। सहयोगी न बनने से कार्य बहुत कठिन और पहाड़ जैसा महसूस होता है।

आध्यात्म की उड़ान डॉ. सचिन, राजयोग एक्सपर्ट, माउंट आबू

जीवन में दुख है तो गहराई में जाकर उसकी पड़ताल करें

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

दुख की नींदः क्यों मैं दुखी हूं कारण को ढूंढ़ो गहराई में जाओ, उस दुख की गंगोत्री में पहुंचो जहां से दुख बह रहा है। जरूर कोई न कोई कामना है, मोह है, काम वासना है या विकार है, सूक्ष्म में उस तक पहुंचो। ये शुरू कब हुई, ये जो दुख आया है जीवन में शुरुआत कहां से है, क्या संबंध, कारण है। व्यक्ति कारण है, वैभव, वस्तु, साधन या समय। ये वर्तमान में जो दुख है जीवन में इसकी शुरुआत कहां से है, उसी शुरुआत में जाकर उसे भस्म करना होगा। कहीं न कहीं कुछ न कुछ तो गलत हुआ है जीवन में। यदि संबंध दुख का कारण हैं कहीं न कहीं कुछ गलत हुआ है। साक्षी होकर उस पॉइंट तक पहुंचना, देखना है, उसको नष्ट करना है।

अलबेलेपन की नींदः लापरवाह हो गए, अंदर इतने साहसी हो गए कि अब परवाह नहीं करते मर्यादा क्या कहती है। श्रीमत क्या कहती है, हर चीज के लिए श्रीमत मिली है। उस श्रीमत का सूक्ष्म में पर जबरदस्ती जानते हुए परवाह न करना अर्थात् अलबेलापन। पता है ये समय किसका है, श्रेष्ठ पुरुषार्थ करने का समय है। यदि आत्मा में बल भरना हैं तो तप से भरेगा।

धन की नींदः धन कमाने में लगे हुए हैं, लेकिन धन कमाने के पीछे पुरुषार्थ खो गया है, जिसके लिए धन कमा रहे हैं उसी को भूले हुऐ हैं। व्यक्ति धन के पीछे ऐसा पागल है कि दिन-रात लगा हुआ है। धन आज है, कल नहीं रहेगा, नष्ट हो जाएगा कुछ भी नहीं रहेगा। लेकिन अविनाशी योग-ज्ञान धन सदा रहता है।

काम की नींदः काम वासना की नींद, योगी भव-पवित्र भव का वरदान ले लिया। बाल ब्रह्मचारी और बाल ब्रह्मचारिणी भगवान ने कह दिया उसके बाद भी देह का आकर्षण होना, उसके बाद भी देह को देखना, देह को स्पर्श करना, इसी देह के पीछे व्यक्ति दीवाना है। ये तो सबसे बड़ी नींद है, सबसे बड़ा नशा है। देह खींचता है, देह को देख लेना देह की वास्तविकता क्या है, जीवन मृत्यु, जरा, व्याधि सब में दुख है। इस संसार के दुखों का दर्शन कर लेना विधि है दुःखों से मुक्त होने की। यहां कुछ भी जाओ करने दुख है उसमें, इसलिए जाना ही नहीं है।

व्यर्थ ही नींदः जिसे हम समझ रहे हैं समर्थ है, शायद वो व्यर्थ है। कितने बड़े-बड़े कार्य करना है, संसार को जगाना है, पवित्रता का नया धर्म स्थापन करना है और हम लगे हुए हैं व्यर्थ में, हमें समय का सदुपयोग करना है, दुरुपयोग नहीं। हमें जगाना है, स्वंय को इस नींद से, जो व्यर्थ है उन सबसे।

नेगेटिविटी की नींदः यज्ञ के प्रति नेगेटिविटी, ब्राह्मण परिवार के प्रति नेगेटिविटी, यज्ञ के आत्माओं के प्रति नेगेटिविटी ये नींद हैं। मधुबन के प्रति नेगेटिविटी, उनके प्रति नेगेटिविटी जिन्होंने अपना जीवन स्वाहा कर दिया है। यज्ञ के लिए, जिन्हें स्वयं भगवान ने चुना है। उनके लिए, उन्हीं के प्रति जिनकी मंदिरों में भक्त पूजा कर रहे हैं। ये शिव शक्तियां हैं, भक्त जिनको पुकारते हैं। इन सभी नींदों से स्वयं को जगाना है और जब तक न जाग जाएं तब तक बेचैन रहना है। दैवी असंतोष बना रहे निरंतर कि क्यों नहीं मैं जाग रहा हूं।

मुन्नी दीदी के आतिथ्य में मनाया महोत्सव

त्याग-तपस्या की रजत जयंती पर 50 बीके का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, मोहाली/पंजाब।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी के मोहाली आगमन पर सुख शांति भवन फेज 7 सेवाकेंद्र पर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मोहाली-रोपड़ सर्किल के 50 ब्रह्माकुमार और कुमारियों की रजत जयंती मनाई गई, जो 25 वर्षों से अधिक समय से त्याग-तपस्या और मानवता की सेवा का जीवन जी रहे हैं। सभी को विशेष सम्मान किया गया। समारोह में 600 से अधिक भाई-बहन मौजूद थे। दीप प्रज्वलन समारोह में 75 भाई-बहनों ने भाग लिया। गीत, कविता, नृत्य, भांगड़ा की प्रस्तुति दी गई। शहर के गणमान्य लोगों ने बीके मुन्नी दीदी को सम्मानित किया।

बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि कम बोलने, धीरे-धीरे और मीठा बोलने की आदत डालें। आप कोई साधारण नहीं बल्कि विशेष आत्मा हैं। सर्वशक्तिमान की संतान होने के नाते, हर किसी को आपसे शांतिदायक शक्ति का अनुभव करना चाहिए। आज्ञाकारी, ईमानदार, विनम्र, विश्वासयोग्य और भरोसेमंद बनें। हमेशा याद रखें कि यह आपकी वापसी की यात्रा है, इसलिए कभी भी लापरवाही न करें। माउंट आबू से पधारे बीके प्रकाश भाई, मोहाली-रोपड़ सर्कल के सेवाकेंद्रों की प्रभारी ब्रह्माकुमारी प्रेमलता बहन और पंजाब की प्रभारी बीके उत्तरा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कॉलोनाइजर राजीव अग्रवाल, अजय गुप्ता और वेरका मिल्क प्लांट के महाप्रबंधक उत्तम कुमार ने मुन्नी दीदी जी को विशेष रूप से सम्मानित किया।

दो हजार बीके सदस्यों ने किया योग

शिव आमंत्रण, वैशाली नगर/जयपुर।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 100 दिवसीय काउंट डाउन के तहत देशभर में हर घर योग-हर आंगन योग अभियान चलाया जा रहा है। आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा राज्यपाल कलराज मिश्र की उपस्थिति में योग महोत्सव मनाया गया। इसमें दस हजार लोगों ने योग अभ्यास किया। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, आयुष राज्यमंत्री महेन्द्र मुंजपारा, कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी सहित सांसदगण, एवं आमजन उपस्थित रहे। इसमें जयपुर सबजोन प्रभारी ब्रह्माकुमारी सुषमा दीदी, बीके चन्द्रकला का सम्मान किया। ब्रह्माकुमारीज़ से दो हजार भाई-बहनों ने भाग लिया।

आत्म चिंतन शिविर आयोजित

शिव आमंत्रण, मुजफ्फरपुर/बिहार।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से शाहिद खुदीराम बोस केंद्रीय कारागार में तीन दिवसीय आत्म चिंतन से जीवन परिवर्तन शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान बीके सीता बहन, बीके पूनम बहन, बीके भास्कर भाई , बीके सोभाकांत भाई, बीके अरविंद भाई ने उपरोक्त विषय पर बंदियों के लिए मार्गदर्शन दिया। साथ ही अपने जीवन को चरित्रवान बनाने एवं नशामुक्त करने का संकल्प दिलाया गया। शिविर के बाद जेल सुप्रीटेंडेंट ब्रजेश कुमार मेहता ने प्रोत्साहन के रूप में बीके भाई-बहनों को जेल में निःशुल्क और निस्वार्थ सेवा करने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर हर महीने सात दिन का प्रोग्राम रखने के लिए आग्रह किया।

रामकृष्ण मिशन की 125वीं वर्षगांठ पर सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, राजकोट/गुजरात। रामकृष्ण मिशन की 125वीं वर्षगांठ पर रामकृष्ण आश्रम राजकोट में विविधता में एकता विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से माउण्ट आबू से पधारीं मोटिवेशनल वक्ता बीके शीलू बहन ने कहा कि भारतवासी एक हैं। एकता हमारा लक्ष्य है। आज भिन्न-भिन्न धर्म, भाषा, प्रांत, जाति में एकता लाने के दो आधार हैं- स्वयं की पहचान और परमपिता की पहचान। राजयोग मेडिटेशन से सभी को गहन शान्ति की अनुभूति कराई। आश्रम के अध्यक्ष स्वामी निखिलेश्वरानंद ने कहा कि ये परिसंवाद जरूर नया बदलाव लाएगा। इस दौरान वैष्णवाचार्य गोस्वामी व्रजराजकुमार महाराज, महंतश्री महामंडेलशवर ललित किशोर शरन, सेवा साधना आश्रम के स्वामी भोलानन्द सरस्वती महाराज, कानपुर से स्वामी आत्मश्रद्धानंद सहित 40 ब्रह्माकुमारी बहनों ने भी भाग लिया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, येवला/महाराष्ट्र। मराठी फिल्म डायरेक्टर गोवर्धन दोलतडे, फिल्म अभिनेता रोहन पाटील, अभिनेत्री दर्शनी दाभाडे, सह कलाकार कार्तिक दोलतडे टीम को सम्मानित करते येवला सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीता दीदी।

शिव आमंत्रण, जयपुर। ब्रह्माकुमारीज़ बनिपार्क सेवाकेंद्र की ओर से राजस्थान होमगार्ड के ट्रेनी जवानों को सकारात्मकता जीवनशैली विषय पर बीके कुणाल, बीके दीप्ति ने टिप्स दिए।

शिव आमंत्रण, इंदौर। ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल मुख्यालय न्यू पलासिया ओम शांति भवन की ओर से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सुरक्षा के अधिकारी और कर्मचारियों के लिए तनाव मुक्त प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें धार्मिक प्रभाग के क्षेत्रीय समन्वयक बीके नारायण भाई, बीके दुर्गा बहन, बीके प्रमिला बहन ने उपरोक्त विषय पर संबोधित किया। इस मौके पर सीआईएसएफ इंस्पेक्टर अनिल भारद्वाज, सब इंस्पेक्टर दुर्गेश साहू सहित जवान मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, बहल(हरियाणा)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली को ईश्वरीय सौगात देते हुए बहल सेवाकेंद्र संचालिका बीके शकुन्तला बहन व बीके पूनम बहन। साथ में हैं विधायक घनश्याम सराफ, जिला उपायुक्त नरेश नरवाल, जननायक जनता पार्टी के नेता विजय गोठड़ा, बीके अशोक सोनी, बीके रोशन लाल।

शिव आमंत्रण, पन्ना/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से उपजेल, पवई में बंदियों के लिए सकारात्मक चिंतन और राजयोग ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता बहन ने बंदियों के लिए राजयोग ध्यान का महत्व बताया। कार्यक्रम में जेलर मुनेंद्र मिश्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नशाखोरी एक सामाजिक बुराई है

राज्य में नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

शिव आमंत्रण, रायपुर (छग)।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियान के तहत नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारम्भ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि सरकार और सामाजिक संस्थान दोनों को मिलकर काम करने की जरूरत है। नशामुक्त समाज बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ जैसी और भी संस्थाएं आगे आएं। तो सरकार की ओर से उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। ईश्वर ने बहुत सुन्दर दुनिया बनाई है। यहां अच्छे-अच्छे लोग रहते हैं। सभी आपस में भाई-चारे के साथ रहें। एक-दूसरे का सहयोग करें और यह दुनिया तरक्की करे। यही हम सबका उद्देश्य होना चाहिए। नशा व्यक्ति को और परिवार को बर्बादी की राह पर ले जाता है। नशा किसी के लिए भी लाभप्रद नहीं है।

उन्होंने चुनाव के समय शराबबन्दी के वायदे की चर्चा करते हुए बताया कि चुनाव से पहले वह एक महिला सम्मेलन में गए थे जहां पर महिलाओं ने कहा कि शराबबन्दी होनी चाहिए तो उनके दबाव में आकर उन्होंने भी घोषणा कर दी की राज्य में शराबबन्दी होनी चाहिए, लेकिन यह कोई समाधान नहीं है। क्योंकि यहाँ शराबबन्दी करेंगे तो पड़ोसी राज्यों से शराब लाकर लोग बेचने लगेंगे। सरकार ऐसी कोई योजना लागू नहीं करना चाहती है जिससे किसी की जान चली जाए। राज्य में शराबबन्दी की बजाए नशामुक्ति के लिए अभियान चलाए जाने की जरूरत है। विधायक और राज्य में शराबबन्दी लागू करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि हरेक व्यक्ति जानता है कि शराब का सेवन करना उचित नहीं है फिर भी आत्म विश्वास की कमी के कारण वह उसे छोड़ नहीं पाता।

गृह सचिव अरूण देव गौतम ने कहा कि यह संस्थान आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर लोगों को नशामुक्त कर सकता है। माउण्ट आबू से पधारे मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने कहा कि हमारी संस्थान राज्य सरकार के साथ मिलकर नशामुक्ति अभियान को सफल बनाएगी। मुंबई के डॉ. सचिन परब ने कहा कि लोगों को जब परिवार में या जीवन में खुशी नहीं मिलती तो वह नशाखोरी करने लगते हैं। इन्दौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी, बीके सविता दीदी ने भी विचार व्यक्त कए। भिलाई केन्द्र की निदेशिका बीके आशा दीदी ने योगाभ्यास कराया कराया। बीके मंजूषा दीदी ने बताया कि जगदलपुर में 65 आदिवासी ग्रामों में संस्थान राजयोग द्वारा नशामुक्ति के लिए कार्य कर रही है, जिससे हजारों परिवारों में खुशियां लौटी हैं। संचालन धमतरी केन्द्र की संचालिका बीके सरिता दीदी ने किया।

भोपाल

शिव आमंत्रण, भोपाल/मप्र। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्म की क्षेत्रीय संयोजिका एवं कोलार शाखा प्रभारी ब्रह्माकुमारी किरण को आमंत्रित किया गया। इस दौरान बीके किरण ने समारोह के मुख्य अतिथि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश सत्यार्थी को ब्रह्माकुमारीज़ की शांति की अवधारणा पर एक बुकलेट भेंट की। साथ ही कुलपति प्रो. विजय कुमार अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट वीके सेठी को भी प्रदान किया।

रांची

शिव आमंत्रण, रांची/झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर संस्थान की पूर्व कोषाध्यक्ष व संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ईशु दादी की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर बीके प्रदीप, , हाई कोर्ट के वरिष्ठ विधि सलाहकार नीलम तिवारी, इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष सुमन सिंह, सीएमओ गांधीनगर डॉ. निर्मला, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला और माउंट आबू से पधारे मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव बीके डॉ. बनारसी लाल मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नशामुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

आध्यात्म के बल से भारत बनेगा विश्व गुरु

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान और जल जन अभियान का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इसमें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहायक निदेशक मनदीप पूनिया ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था में दी जाने वाली नैतिक आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों की शिक्षा को जीवन में धारण करना होगा। क्योंकि आंतरिक शक्ति के विकास से ही बाह्य विकास संभव है। आचार्य चांद सिंह योगी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और हम सभी मिलकर नशा मुक्त भारत भी बनाएंगे और जल को भी बचाएंगे। सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके वसुधा बहन ने कहा कि स्कूल, कॉलेज, चौपाल, गांव-गांव में जाकर नशामुक्ति और जल बचाने का संदेश देंगे। पूर्व सरपंच दलबीर सिंह गांधी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों की त्याग-तपस्या, सेवा से अवश्य ही भारत का उत्थान होगा क्योंकि इनकी सेवा निस्वार्थ है। बीके ज्योति बहन ने जल बचाने एवं नशा मुक्त जीवन बनाने की शपथ दिलाई।

सार समाचार

शिव आमंत्रण,कुरुक्षेत्र/हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शांति धाम में नशा मुक्त भारत अभियान और जल जन अभियान का शुभारंभ किया गया। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रभारी अशोक कुमार वर्मा, माउंट आबू से प्रेरक वक्ता बीके प्रो. ओंकार चंद, सेवाकेंद्र निदेशिका बीके सरोज दीदी, बीके विद्या ने अपने विचार व्यक्त किए। सेवाकेंद्र से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तक रैली निकाली गई।

शिव आमंत्रण, अलीराजपुर (मप्र)। दीपा की चौकी स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर जल जन अभियान का शुभारंभ किया गया। इसमें न्यायाधीश दिनेश देवड़ा, अभियांत्रिकी विभाग विकासखंड समन्वयक पंकज राठौड़, एडवोकेट अनूप शर्मा, डॉ. प्रमेय रेवडिया, धार्मिक प्रभाग के जोनल समन्वयक बीके नारायण भाई, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके माधुरी दीदी, बीके सेना बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, सोनीपत/हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर 15 सेवाकेंद्र की ओर से हिंदू कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण व जल जन अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रमोद दीदी ने कहा कि नैतिक जिम्मेदारियों को निभाना हमारा दायित्व है। सभी को पौधा वितरण भी किया गया। 370 से अधिक विद्यार्थी और कॉलेज का स्टाफ मौजूद रहा। रिटायर्ड डीआईजी सुमन मंजरी, दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रो. अलका, समाजसेवी सतपाल अहलावत, फॉरेस्ट ऑफिसर डॉ. राजेश वत्स मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, सोनीपत/हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर 15 सेवाकेंद्र की ओर से जटवाड़ा गांव के सरकारी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण व जल जन अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रमोद दीदी सभी से जल बचाने का आह्वान किया। साथ ही ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने के लिए संकल्प दिलाया।

शिव आमंत्रण, भिलाई/छग। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर पीस ऑडिटोरियम में वर्ल्ड अर्थ डे मनाया गया। इसमें भिलाई सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि हम सभी मिलकर हमारी मां समान पालना देने वाली इस पृथ्वी धरती मां भूमि की क्या सेवा करें जो हमें अनाज, जल देती है। प्रकृति, पर्यावरण संसाधन देने वाली धरती का हम दोहन कर चुके हैं। अब वक्त है हमें इसकी रक्षा संभाल करने का दायित्व हर मनुष्य का कर्तव्य है। डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने गणेश वंदना से संदेश दिया।

नगर निगम और ब्रह्माकुमारीज़ ने चलाया जल जन अभियान

ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने बढ़ाए मदद के हाथ
जनकताल पर किया श्रमदान

शिव आमंत्रण, लश्कर/ग्वालियर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ और जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे भारत में चलाए जा रहे जल जन अभियान के तहत नगर निगम एवं ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जनकताल (बहोड़ापुर एबी रोड) पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनकताल की सफाई में 250 से अधिक बीके भाई-बहनों ने श्रम के हाथ बढ़ाए।

इस दौरान कलेक्टर अक्षय सिंह, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, अपर आयुक्त अमर सत्य गुप्ता, बीके डॉ. गुरचरण सिंह, बीके प्रहलाद, बीके ज्योति बहन, बीके पूनम बहन, बीके महिमा, बीके नरेश, बीके गजेंद्र अरोरा, संतोष बंसल, योगेश जसेजा, राजेन्द्र अग्रवाल, विजेन्द्र, धर्मेन्द्र, पंकज, ध्रुव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। श्रमदान में कलेक्टर, निगम आयुक्त एवं संस्थान के सेवाधारिओं ने सफाई मित्रों के साथ कचरे को बैग में भरकर गाड़ी में डाला। कलेक्टर ने संस्थान द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा भावना की सराहना की। वहीं निगमायुक्त ने भी संस्थान के सेवा कार्यों को सराहा।

संबलपुर

शिव आमंत्रण, संबलपुर/उड़ीसा। प्रशासक सेवा प्रभाग की ओर से संबलपुर सब-जोन द्वारा रॉयल रिट्रीट में वैल्यु एंड स्पीचुअलिटी फॉर वेटर गवर्नेंस विषय पर प्रशासक अभियान का शुभारंभ किया गया। इसमें संबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिधु भूषण मिश्र, गंगाधर मेहर विवि के कुलपति प्रो. एन नागराजू , आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. महादेओ जैसवाल तथा दिल्ली से पधारी बीके विधात्री बहन, बीके श्वेता बहन, पूर्व आईएएस बीके सीताराम मीना उपस्थित रहे। सबजोन के निदेशिका बीके पार्वती दीदी, फैकल्टी बीके उर्मिल बहन और बीके नीतिम बहन भी मौजूद रहीं।

नरसिंहपुर

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान बीके प्रीति दीदी ने कहा कि आप भी परमात्मा के राजा बच्चे हो,कला विशेषता सम्पन्न हो। अपने श्रेष्ठ आत्मिक पोजीशन में रहो, कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता। हर काम का अपना अलग महत्व होता है और छोटे-छोटे कामों से ही बड़े-बड़े काम होते है। इस मौके पर बीके पुरुषोत्तम, सन्दीप जैन, हरिओम विश्वकर्मा, मोहन मिस्त्री, चन्द्रशेखर मिस्त्री, दानसिंह मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे।

इंदौर में प्रशासक सेवा प्रभाग का सम्मेलन आयोजित

ओम शांति मंत्र नई ऊर्जा देता है: मंत्री सिलावट

शिव आमंत्रण, इंदौर।

प्रशासक, कार्यपालक और प्रबंधकों ने लिया भाग

ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा ज्ञान शिखर ओमशांति भवन में प्रशासनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में प्रशासकों, कार्यपालकों एवं प्रबंधकों ने भाग लिया। मप्र शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि ओम शांति ऐसा मंत्र है जो जीवन को प्रेरणा, ऊर्जा, संकल्प और शक्ति देता है। यह शब्द हमारे विचारों को सकारात्मक दिशा में ले जाता है। अधिकारियों को तनाव से दूर करने का इससे बेहतर कोई दूसरा उपाय नहीं हो सकता। अधिकारी अगर तनाव मुक्त रहेंगे तो और अधिक नई ऊर्जा के साथ काम कर पाएंगे। ओम शांति के एक मंत्र में शांति के साथ सुकून, विश्वास, प्रेम, आस्था सबकुछ समाया है। प्रशासक सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष बीके आशा दीदी ने कहा प्रशासक का जीवन कर्मयोगी की तरह होना चाहिए। कर्मयोगी अर्थात कर्म-योग दोनों का संतुलन। अधिकारी आध्यात्मिक रूप से इतना सशक्त हो जो हर परिस्थिति का सामना कर सके।

मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कि विस में तनाव के माहौल के बीच काम करने में राजयोग मेडिटेशन से उन्हें बहुत सहयोग मिलता है। क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने कहा कि स्व प्रशासन ही उत्कृष्ट प्रशासन की नींव है। प्रशासन में उत्कृष्टता आध्यात्मिकता से आएगी। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा, आईआईएम के निदेशक प्रो. हिमांशु रॉय, मुख्यालय संयोजक बीके हरीश, एडि. कमिश्नर रजनीश श्रीवास्तव, प्रभाग की क्षेत्रीय समन्वयक बीके ऊषा दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, पानसेमल, मध्य प्रदेश। पानसेमल वेयर हाउस के उद्घाटन समारोह में माउंट आबू से ओम शांति मीडिया पाक्षिक पत्रिका के डेटा मैनेजर बीके दिलीप ने कहा कि कि परमात्मा शिव कल्याणकारी हैं। शिव वेअर हाउस जनता के लिए कल्याणकारी साबित होगा। मंडलेश्वर सीएमओ शिवजी आर्य द्वारा बीके दिलीप का सम्मान किया गया। विधायक चंद्रभागा किराड़े, बारेला अध्यक्ष समाज नामदेव पटले, बीके अस्मिता, बीके छाया ने रिबन काटकर वेयर हाउस का शुभारंभ किया।

शिव आमंत्रण, अंबरनाथ/ठाणे (महाराष्ट्र)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके मंगला दीदी, बीके तनुजा दीदी, लालजी भाई ने मुलाकात कर सम्मान किया। साथ ही संस्थान का साहित्य भेंट किया।

शिव आमंत्रण, कटक। ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन में मूल्य और आध्यात्मिकता पर प्रशासन अभियान का शुभारंभ लोकायुक्त सदस्य डॉ. देवव्रत स्वैन, कटक जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके कमलेश दीदी, दिल्ली लारेंस रोड की प्रभारी एवं एडमिनिस्ट्रेटर विंग की जोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी बीके लक्ष्मी, ओडिशा महिला आयोग की अध्यक्ष मिनाती बेहरा, बीके नाथमल, बीके गीतांजलि, बीके गीता ने विचार व्यक्त किए। संचालन बीके प्रतिभा ने किया।

शिव आमंत्रण, सुनाम/ संगरुर (पंजाब)। युवा प्रभाग की ओर से ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर जी-20 प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसमें भाई गुरुदास इंस्टिट्यूशन के चेयरमेन डॉ. गुण इंदरजीत सिंह जवंधा, डॉक्टर जॉनी गुप्ता, डॉ. मोनिका गुप्ता, नेशनल एथलेटिक्स कोच संदीप सिंह उपस्थित थे। मुख्य वक्ता के रूप में युवा प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर बीके अरुण और सुभाष, सेंटर इंचार्ज बीके मीरा दीदी, डॉ. रमा ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, विदिशा/मप्र। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज विदिशा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन पर बीके रेखा बहन, बीके रुकमणी बहन और बीके नंदनी बहन ने कॉलेज डीन डॉक्टर सुनील नंदेश्वर को सौगात प्रदान की।

15 कुमारियां बनीं ब्रह्माकुमारी

मन, वचन कर्म से संपूर्ण पवित्र रहने का लिया संकल्प

शिव आमंत्रण, श्रीनगर गढ़वाल/उत्तराखंड।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से अलौकिक शिव समर्पण समारोह और दादी मनोहर इंद्रा राजयोग भवन का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में श्रीनगर में 15 ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपना जीवन शिव आराधना में लगाने और मन, वचन कर्म से संपूर्ण पवित्र रहने का संकल्प लेते हुए समाजसेवा में समर्पित कर दिया। बहनों के अभिभावकों ने माउंट आबू से पधारीं अंतरराष्ट्रीय वक्ता बीके ऊषा दीदी के हाथों में अपनी कन्याओं का हाथ दिया। ब्रह्माकुमारियों का शिवलिंग के साथ अलौकिक विवाह समारोह आकर्षण का केंद्र रहा।

माता-पिता धन्य हैं जिनके घर में ऐसी बेटियां जन्मीं

मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि समाज सुधारक के रुप में काम करने के साथ ही नशा उन्मूलन सहित कई बुराइयों को मिटाने में जो योगदान संस्था द्वारा दिया जा रहा है, वह सराहनीय कदम है। जल्द ही उत्तराखंड सरकार ब्रह्माकुमारीज़ के साथ नशा उन्मूलन पर एमओयू करेगी। बीके उषा दीदी ने कहा कि केदारनाथ की इस भूमि पर साक्षात शिव विद्यमान हैं। ऐसे ज्ञान अर्पित भूमि पर श्रेष्ठ बनाने का जो सौभाग्य हमें मिला है वह सराहनीय है। कहा पुनर्जन्म में पार्वती स्वरुप में शिव से विवाह करने के लिए बहनें आई हैं। यह दिन विशेष दिन हैं। उनके माता पिता धन्य है जिसने पार्वती रुप में बेटियों को जन्म दिया। इस मौके पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत, पौड़ी विधायक राजकुमार ने भी श्रीनगर में राजयोग केंद्र स्थापित करने की शुभकामनाएं दी। समारोह में संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय, पंजाब जोन इंचार्ज बीके प्रेम दीदी, एसआरसी की डायरेक्टर बीके लक्ष्मी दीदी, बीके मेहरचन्द, बीके राधेश्याम,श्रीनगर गढ़वाल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलम, उषा राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जीवन को यात्रा के रूप में स्वीकार करें

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम।

ब्रह्माकुमारीज़ के आईटी विंग की ओर से डीएलएफ फेज-1 गुरुग्राम में शिव नादर स्कूल में इनर पीस-इनर टेक्नोलॉजी पर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और लाइफ कोच बीके शिवानी दीदी ने आईटी प्रोफेशनल्स के लिए सफलता के आध्यात्मिक मंत्र बताए। इसमें एनसीआर क्षेत्र के लगभग 700 आईटी और अन्य कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया।

बीके शिवानी दीदी ने कहा कि आलोचना करने और न्याय करने के बजाय हमें अपने जीवन में लोगों को एक यात्रा में आत्मा के रूप में समझने और स्वीकार करने की आवश्यकता है जो पिछले जन्मों से संस्कार ले रहे हैं। उन्होंने ध्यान करने के लिए दैनिक आधार पर स्वयं के लिए कुछ समय निकालने पर जोर दिया। जैसा अन्न वैसा मन होता है, इसलिए अपने अन्न का विशेष ध्यान रखें।

इस दौरान भारतीय रेलवे के महानिदेशक मोहित सिन्हा, पूर्व अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश एबी शर्मा, गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला, डीएलएफ इंडिया के उपाध्यक्ष दीपक बंसल, डाइकेन इंडिया के सीआईओ उमेश खंडेलवाल, शिव नादर स्कूल के उपाध्यक्ष समीर, आईटी विंग की क्षेत्रीय समन्वयक बीके बहन रमा और बीके बहन सोनिका मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, मुंबई। अंधेरी स्थित पांच सितारा होटल हॉलिडे ईन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने डॉ. बीके दीपक हरके को इंडियन ब्रांड आयकॉन अवॉइस-2023 से सम्मानित किया। इस दौरान विलेपार्ले सेवाकेंद्र से बीके प्रीती दीदी भी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर/छग। योग भवन वीआईपी रोड रायपुर में छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा आयोग गठन की छठी वर्षगांठ पर योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। योग आयोग की सदस्य ब्रह्माकुमारी टिकरापारा की प्रभारी बीके मंजू दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया।

11 दिवसीय राजयोग मेडिटेशन शिविर 'खुशियां आपके द्वार' आयोजित

जीवन का उद्देश्य हो- खुश रहें, खुशियां बांटें

शिव आमंत्रण, शाहबाद (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ के अटारी कॉलोनी स्थित सेवाकेंद्र द्वारा खुशियां आपके द्वार विषय पर 11 दिवसीय राजयोग मेडिटेशन शिविर आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों ने भाग लिया। शिविर के मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारे मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. बीके ओंकार चंद ने कहा कि मन हमारा हमारा मित्र है। मन को गार्डन बनाएं न कि जंगल। सदा यही चिंतन करें कि मैं खुशी के खजाने से सम्पन्न आत्मा हूं। मुझे हर हाल में खुश रहना है और खुशियां बांटनी हैं। मेरी खुशी मुझसे कोई छीन नहीं सकता। जब तक जीना है मुझे खुश रहना है। मुझ जैसा खुशनसीब कोई नहीं है। सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीति दीदी ने कहा कि जीवन में ज्ञान धारण करने से ही बदलाव आता है। विधायक एवं हरियाणा शुगर फेडरेशन अध्यक्ष रामकरन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सिखाए जा रहे राजयोग को अपने जीवन में शामिल करने की जरूरत है। नपा चेयरमैन डॉ. गुलशन कवातरा, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनिल धनतोड़ी, नपा की उपप्रधान भाविका क्वात्रा ने भी संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, शाजापुर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय एवं ज्ञान सरोवर परिसर में होने वाली सिक्योरिटी विंग कांफ्रेंस का बीके पूनम बहन व ब्रह्माकुमारी चंदा बहन, बीके दीपक ने जिला पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत को निमंत्रण दिया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी दी।

सुन्नी में मधुबन निवासियों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, सुन्नी/शिमला (हिप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ के सुन्नी उपसेवाकेंद्र पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें विशेष रूप से संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी पधारीं। विधायक हीरा लाल ने पुष्पगुछ भेंट करके स्वागत किया। दीदी के नगर में आगमन पर पुष्पवर्षा कर ढोल-बैंड-बाजे के साथ स्वागत किया गया। हिमाचल के पूर्व सांसद सुरेश चंदेल भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान माउंट आबू से आए बीके प्रकाश भाई, बीके श्रीनिवास भाई सहित 25 भाई सुन्नी पधारे। सभी मधुबन निवासियों का बीके शकुन्तला बहन के मार्गदर्शन में स्वागत, सम्मान किया गया।

राजयोग से महान लक्ष्य प्राप्त होगा

शिव आमंत्रण, अंबिकापुर/छग। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा सेवा प्रभाग द्वारा नव विश्व भवन चोपड़ापारा में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उमंग समर कैम्प-2023 आयोजित किया गया। शुभारंभ पर जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहे ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जा रहे इस अनोखे मेडिटेशन को आज से ही करना शुरू करेंगे तो महान लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों एवं गुणों को धारण कर धैर्यवान, सहनशील, हर्षितमुख बनकर विभिन्न परिस्थितियों का सामना कर उस पर जीत प्राप्त कर आगे बढ़ें और जीवन को मूल्यवान, गुणवान बनाएं। मन की शक्ति और एकाग्रता खत्म होने का कारण है, हमने अपने मन को डस्टबिन बना दिया है। इसलिए जीवन में आध्यात्मिकता को धारण करने से मन खुशनुमा बनेगा। सुबह से लेकर रात तक की दिनचर्या को सेट करने से ही जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और सफलता को प्राप्त करेंगे।

शिक्षा समिति अध्यक्ष तिरंदाजी संघ के जिला अध्यक्ष शैलेष सिंगदेव ने कहा कि बच्चों को एक अच्छा इंसान बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। केआर टेक्निकल कॉलेज की डायरेक्टर रीनू जैन ने कहा कि छात्रों को धैर्यता और विश्वास के साथ जीवन जीना चाहिए। डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल लखनपुर प्रिंसिपल विनय कुमार श्रीवास्तव, समाजिक कार्यकर्ता विष्णु प्रताप अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके प्रतिमा बहन ने कहा कि यहां जो बातें बताईं जा रहीं उसे जीवन में आत्मसात करें।

रात को सोने से पहले दस मिनट अपने से बातें करें और दिनचर्या चेक करें: कुलपति

शिव आमंत्रण, रायपुर (छत्तीसगढ़)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन चौबे कॉलोनी में समर कैम्प आयोजित किया गया। शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी वि.वि. के कुलपति डॉ. एमके वर्मा, सूचना आयुक्त अशोक अग्रवाल, बीके सविता दीदी और बीके स्मृति दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया। कुलपति डॉ. वर्मा ने कहा कि रोज रात को सोने से पहले दस मिनट अपने से बातें करें और अपनी दिनचर्या को चेक करें। ऐसा करके आप स्वयं ही अपना अच्छा दोस्त बन सकते हैं। स्वयं से बात करने से खुद को सुधारने का मार्ग अपने अंदर से ही आपको मिलेगा। आप स्वयं ही अपना गुरू बन जाएंगे।

सूचना आयुक्त आईएएस अशोक अग्रवाल ने बताया कि मेरा बचपन छोटे से गांव में बीता जहां बिजली नहीं थी। लालटेन की रोशनी में पढ़कर वह बड़े हुए। किन्तु सकारात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें आगे बढने में मदद की। यह जरूरी नहीं कि हरेक बच्चा आईएएस या आईपीएस बने। अपनी योग्यता को पहचान कर आगे बढ़ें तो सफलता अवश्य मिलेगी। बीके सविता दीदी ने कहा कि 19 वर्षों से संस्थान में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर बच्चों के व्यक्तित्व का विकास कैसे हो यह शिक्षा दी जाती है। बीके स्मृति दीदी ने सफलता की परिभाषा बताई। संचालन बीके स्नेहमयी दीदी ने किया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, भाटापारा/बलौदा बाजार (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर बच्चों के लिए दिव्य मुस्कान समर कैंप आयोजित किया गया। शुभारंभ सुशील शर्मा, प्रशांत शर्मा , बीके मंजू दीदी, बीके प्रभा दीदी, बीके भावना दीदी ने किया। इस दौरान बच्चों को एकाग्रता, भयमुक्त जीवन ,जीवन मूल्य, मैजिक ऑफ मेडिटेशन विषयों पर रचनात्मक एक्टिविटीज कराई गई। इनमें विशेष रूप से ममता गुप्ता, योगिता तिवारी, सुनीता राठौर, डॉ. विकास, शाला विकास एवं प्रबन्धन समिति अध्यक्ष प्रशांत गांधी ने भी अपने अनुभवों से बच्चों को प्रेरित किया।

भीनमाल (राज)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर दो दिवसीय समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें बीके गीता बहन, शानू बहन, जगदीश भाई, संध्या बहन ने बच्चों को मार्गदर्शन दिया।

शिव आमंत्रण, रतलाम/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर दो दिवसीय जोड़ों का दर्द निदान शिविर आयोजित किया गया। शुभारंभ विधायक चैतन्य कश्यप, मुख्य रेल मंडल प्रबंधक रजनीश कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र लुनेरा, क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी बीके अनीता दीदी ने किया। बड़ोदरा गुजरात से पधारे डॉ. राजू और डॉ. श्याम, डॉ. योगेंद्र सिंह चाहर, डॉ. चैतन्य खंडेलवाल ने जांच परीक्षण किया।

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ दिव्य संस्कार भवन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिक बंधुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके कुसुम दीदी ने सभी श्रमिकों का सम्मान किया। इस मौके पर अनिल विश्वकर्मा, कारपेंटर गुड्डा मिस्त्री, देवेंद्र शिंदे लाइन मेन, मथुरा पांडे लाइन मैन, भगवत विश्वकर्मा कारपेंटर , असगर मिस्त्री, चिरंजी लाल प्रजापति ठेकेदार, सुमित विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य ▶ 150 रुपए ▶ तीन वर्ष 450 रुपए
▶ आजीवन 3500 रुपए
मो ▶ 9414172596, 8521095678
Website ▶ www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ▶ ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो ▶ 8538970910, 9179018078
Email ▶ shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960

Scan To Pay

गंगा सप्तमी पर प्रताप सागर तालाब पर आयोजन

हंस बन सदा गुण मोती चुगे

शिव आमंत्रण, छतरपुर/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के किशोर सागर सेवाकेंद्र द्वारा गंगा सप्तमी पर सभी भाई-बहनों द्वारा हंस बनाए गए और उनके माध्यम से गंगा की भांति बुद्धि को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया गया। जल जन अभियान के अंतर्गत प्रताप सागर तालाब पर आयोजित कार्यक्रम में बीके कल्पना दीदी ने कहा कि गंगाजल की अपनी एक अलग महिमा है। गंगा का पानी नहीं कहते, गंगाजल कहते हैं। क्योंकि पानी एक साधारण शब्द हो जाता है, लेकिन जब उसको जल कहते हैं तो उसका पूजनीय स्वरूप हमारे सामने आता है। जब हम देवी-देवताओं के मंदिरों में जाते हैं तो यह नहीं कहते कि पानी चढ़ाने जा रहे हैं हम कहते हैं जल चढ़ाने जा रहे हैं। जब कोई संकल्प लिया जाता है तो यही कहते हैं कि मैं जल को साक्षी मानकर यह संकल्प लेता हूं। इसका अर्थ यही हुआ कि जल एक देवता है। क्योंकि जो देता है वही देवता है। इसलिए हमारा फर्ज है कि हमें जल को बचाना चाहिए। उसमें गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। जल प्रदूषण बचाने के लिए मन का प्रदूषण हटाना पड़ेगा। हंस बुद्धि बन व्यर्थ का कंकड़-पत्थर छोड़ गुण रूपी मोती चुगना सीखना पड़ेगा। सभी ने मिलकर जल आरती की और मछलियों को दाना खिलाया। इसके बाद हंस और संत बनने के लिए संकल्प लिया। बीके सुमन, बीके मोहिनी द्वारा जल बचाने की प्रतिज्ञा कराई गई।

शिव आमंत्रण, आगरा/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के ईदगाह स्थित प्रभु मिलन सेवाकेंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बाल कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

कौमी एकता समारोह में बीके प्रेमलता सम्मानित

प्यार-एकता बनाए रखना हमारा मुख्य धर्म है

शिव आमंत्रण, कामठी/महाराष्ट्र।

मुस्लिम समुदाय द्वारा रमजान ईद के उपलक्ष्य में ईद मिलन एवं कौमी एकता समारोह आयोजित किया गया। इसमें विशेष रूप से आमंत्रित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेमलता दीदी ने कहा कि एकता, भाईचारा, प्यार, शांति और सद्भावना सभी धर्म की जड़ है। जो व्यक्ति के आचरण द्वारा समाज में प्रसारित होते हैं, जिसका मुख्य स्त्रोत

परमात्मा है। जिनकी मान्यता सभी धर्मों में है। उसे ईश्वर, अल्लाह ,खुदा, नूर कहा जाता है। हम सब एक ईश्वर के बच्चे हैं। आपस में प्यार और एकता बनाए रखना हमारा मुख्य धर्म है। ब्रह्माकुमारीज़ के समाज में उत्कृष्ट योगदान देने पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले द्वारा प्रेमलता दीदी का सम्मान किया गया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, पुणे/महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारीज़ के पुणे सेवाकेंद्र की ओर से 50 भाई-बहनों की टीम राष्ट्रपति भवन भ्रमण के लिए पहुंची। इस दौरान सभी टीम के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मुलाकात की। मुकुंदनगर केंद्र की बीके सरिता दीदी ने का परिचय कराया।

शिव आमंत्रण, शिमला (हिमाचल प्रदेश)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हिमाचल प्रदेश पधारने पर राजभवन में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रजनी दीदी, शिमला सिटी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता, बीके भारत भूषण, बीके ओम प्रकाश, बीके श्याम लाल और बीके हृदय राम ने मुलाकात कर स्मृति चिंह्न भेंट किया।

शिव आमंत्रण, गोरखपुर/उप्र। ब्लैक हॉर्स होटल में खत्री सभा गोरखपुर द्वारा बैसाखी महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट सेवा पर खत्री महासभा द्वारा शाहपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पारुल बहन को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शिव आमंत्रण, जम्मू । ब्रह्माकुमारीज़ जम्मू और यूथ विंग द्वारा ह्यूमैनिटी पब्लिक स्कूल बस्सी कलां बारी ब्राह्मण में वाई-20 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जोनल शारीरिक शिक्षा अधिकारी उमेश शर्मा, चंडीगढ़ से राजयोगी बीके अरुण, स्कूल प्राचार्य गौरव चद्धरक, राजयोगी बीके रविंदर, स्पोर्ट्स विंग की वरिष्ठ समन्वयक व जेके व लद्दाख की प्रभारी राजयोगिनी बीके सुदर्शन दीदी ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, समस्तीपुर/बिहार। सकारात्मक परिवर्तन का वर्ष (द ईयर ऑफ पॉजिटिव चेंज) थीम पर शिव शक्ति भवन सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में अपर जिला समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, विधान पार्षद् डॉ. तरुण चौधरी, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. फुलेंद्र भगत, सुधा डेयरी के मार्केटिंग हेड अखिलेश झा, बीके कृष्ण भाई ने विचार व्यक्त किए। प्रभारी बीके सविता बहन ने राजयोग का महत्व बताया।

व्यसनमुक्त ओडिशा अभियान का राष्ट्रपति ने किया शुभारंभ

शिव आमंत्रण, मयूरभंज, ओडिशा।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से चलाए जा रहे देशव्यापी व्यसन मुक्त भारत अभियान के तहत राज्यस्तरीय व्यसनमुक्त ओडिशा अभियान का शुभारंभ मयूरभंज से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों को कलश सौंपकर और हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में अपनाकर जीवन से नशे को सदा-सदा के लिए दूर कर सकते हैं। आध्यात्मिक ज्ञान से हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने भी शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कटक सबजोन की निदेशिका बीके कमलेश दीदी, बीके सुप्रिया बहन, मेडिकल विंग के डॉ. बनारसीलाल शाह और बीके नाथमल भाई भी मौजूद रहे।

माउंट आबू से पहुंचे 108 राजयोगी भाई-बहनें

शांति शिखर भवन समाजसेवा के लिए समर्पित

शिव आमंत्रण, सिवनी/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित शांति शिखर भवन को समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिया। उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से मुख्यालय माउंट आबू से पधारीं महिला प्रभाग की संयोजिका डॉ. सविता दीदी सहित 108 राजयोगी भाइयों ने भाग लिया। वहीं इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी, भिलाई की निदेशिका बीके आशा दीदी, बरघाट से बीके सविता दीदी, विधायक अर्जुन काकोरिया, सिवनी विधायक मुनमुन राय, पूर्व सांसद नीता पटेरिया ने रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया।

पूर्व सांसद पटेरिया ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा निर्मित भवन हमारे जिले के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह भवन श्रेष्ठ समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। सिवनी जिले से अनेक ब्रह्माकुमार भाई-बहनें संपूर्ण भारत में अनेक राज्यों में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वह सभी भी इस शुभ अवसर पर उपस्थित हुए यह हर्ष का विषय है। कार्यक्रम में भारतवर्ष से करीब चार हजार भाई-बहनों ने भाग लिया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके ज्योति दीदी ने कहा कि यहां शहरवासी सुबह-शाम आकर निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन का कोर्स कर सकते हैं। संचालन मोटिवेशनल स्पीकर बीके शक्ति राज ने किया। आभार कथावाचक बीके गीता दीदी ने माना।

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सफलता के लिए एकाग्रता आवश्यक है

शिव आमंत्रण, इंदौर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के जोनल मुख्यालय ओम शांति भवन न्यू पलासिका में तीन दिवसीय युवा प्रभाग द्वारा स्वस्थ, तंदुरुस्त एवं खेल एजेंडा युवाओं के लिए (वाई-20) विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में मुंबई से पधारे अंतरराष्ट्रीय ट्रेनरप्रो. ईवी गिरीश ने कहा कि किसी भी कार्य में सफल होने के लिए एकाग्रता का होना बहुत आवश्यक है। एकाग्रता के लिए दिल की गहराइयों से हम क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं, क्या करते हैं। जैसा हम देखते हैं, सुनते हैं, वही हम बन जाते हैं। एकाग्रता के लिए हमारा लक्ष्य के ऊपर अटेंशन होना बेहद जरूरी है। विद्यार्थियों को कहा जाता है ध्यान से काम करो, ध्यान से पढ़ाई करो। लेकिन मजे की बात यह है कि किसी भी कक्षा में ध्यान क्या है इसे कैसे किया जाता है, यह नहीं सिखाया जाता है। क्योंकि आज हमारा मन बाहर की बातों में जैसे सिनेमा, गेम्स, टीवी आदि में इतना ज्यादा इंवॉल्व कि वह जरूरी कार्यों में फोकस नहीं कर पाता है। पुलिस कमिश्नर मकरंद देउसकर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का राजयोग, एकाग्रता के लिए बहुत ही सहज और सरल है, जिसे जीवन में अपनाना चाहिए । नेहरू युवा केंद्र की निदेशिका तारा पारगी ने कहा ब्रह्माकुमारी द्वारा युवाओं के लिए आयोजित यह कार्यशाला बहुत ही अहम है क्योंकि इसमें सिखाई जाने वाली बातें आपको जीवन के हर क्षेत्र में कहीं ना कहीं काम जरूर आएंगी। डीएवीवी की रजिस्ट्रार रचना ठाकुर ने जीवन जीने की कला के कुछ सूत्र आपने युवाओं के साथ साझा किए।

इंदौर जोन की निदेशिका राजयोगिनी आरती दीदी ने कहा कि हर कार्य में एकाग्रता का अहम रोल है। मनुष्य सुख, शांति और समृद्धि के लिए दर-दर भटकता है लेकिन उसे यह पता ही नहीं है कि जिस खजाने की उसको तलाश है, वह तो उसके अंदर ही है। राजयोग द्वारा परमपिता परमात्मा का सत्य परिचय होना आवश्यक है। बीके नारायण भाई ने भी संबोधित किया।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

राजयोग के प्रयोग से खुलते हैं 'मन के राज'

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। धर्म, ग्रंथ, उपनिषद में योग को अलग-अलग ढंग से परिभाषित किया गया है। सभी के अपने विचार, मान्यताएं, विश्लेषण और अनुसंधान हैं। लेकिन राजयोग सिर्फ योग नहीं एक जीवनशैली है। राजयोगी सो प्रयोगी-राजयोग प्रयोग का योग है। जैसे गोताखोर समुद्र की सतह पर बैठकर उसकी थाह का पता नहीं लगा सकता है, जब तक कि वह अंदर तक जाकर पड़ताल न करे, गहराई में न जाए। इसी तरह बिना प्रयोग के राजयोग के राज को नहीं जान सकते हैं। जब राजयोग की गहराई में जाकर पूरे मनोभाव और विधि के साथ अभ्यास करते हैं तो स्वतः ही जीवन से जुड़े तमाम सवालों के जवाब मिलने लगते हैं।

राजयोग के अभ्यास से मन की भूमि पर रोज नए-नए शुभ संकल्पों, श्रेष्ठ विचारों का बीजारोपण होता है जो परमात्म शक्ति रूपी जल से पुष्पित और फल्लवित होते रहते हैं। इससे उन विचारों के बीजारोपण में परमात्म शक्ति और दुआ भी समाहित हो जाती है। राजयोग ध्यान में जब लगातार ऐसे श्रेष्ठ संकल्पों का सृजन मन की भूमि पर जारी रहता है तो कुछ ही समय के अंतराल में मन श्रेष्ठ, शुभ, सकारात्मक और महान संकल्पों की हरियाली की चादर से आच्छादित हो जाता है। मन की जमीन खुशहाली, आनंद, प्रेम, शक्ति, ज्ञान, पवित्रता, सुख, शांति से भरपूर हो जाती है। मन शक्तिशाली होने से आत्मा को बल मिलता है जो बुद्धि की क्षमता को बढ़ा देता है। क्योंकि जब हमारा मन शक्तिशाली होता है तो बुद्धि भी जो निर्णय लेती है वह श्रेष्ठ, न्यायसंगत और हितकारी होता है। राजयोग के अनवरत प्रयोग से कुछ ही समयांतराल में संस्कारों की नई धरणी तैयार हो जाती है। संस्कार- दिव्य और श्रेष्ठ बन जाते हैं। ज्ञान की सार्थकता संस्कारों का शुद्धिकरण, दिव्यीकरण और श्रेष्ठीकरण ही है।

परमात्मा से मंगल मिलन मनाने का जरिया-

राजयोग के अभ्यास में हम स्वयं को आत्मा समझकर सर्वशक्तिमान, सर्वोच्च सत्ता, सर्व शक्तियों के सागर, गुणों के भंडार, निराकार, ज्योतिर्बिंदु परमपिता परमात्मा से योग लगाते हैं। राजयोग आत्मा का परमात्मा से महामिलन, मंगल मिलन कराता है। यह मिलन भी कल्प में एक बार कलियुग के अंत और सतयुग के आदि संगमयुग में होता है। इसलिए राजयोग को सर्वश्रेष्ठ, सर्व महान और सर्वमंगलकारी योग भी कहा गया है। राजयोग की विधि और विद्या परमात्मा खुद सिखाते हैं। हमें जरूरत है तो इस साश्वत सत्य को भलीभांति जानकर, समझकर जीवन में आत्मसात करने की। ब्रह्माकुमारीज में सिखाए जाने वाले राजयोग ध्यान के एक दो नहीं वरन 20 लाख से अधिक लोग साक्षी और गवाह हैं। वह स्वयं में प्रमाण हैं कि कैसे राजयोगी जीवनशैली से उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। अंधकारमय जीवन से प्रकाशमय बन गया। ज्ञान के प्रकाश से जीवन उपयोगी, सार्थक, उद्देश्यपूर्ण बन गया। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का यह नारा आज जन आंदोलन बन गया है। व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का यह विश्व विद्यालय विश्व के कोने-कोने में भारतीय पुरातन संस्कृति आध्यात्म के प्रकाश और राजयोग की संजीबनी बूटी से मृत प्रायः हो चुकी मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने में दधीची ऋषि मिसल अहम भूमिका निभा रहा है।

राजयोग से निर्माण होती नई संस्कृति-

राजयोग नई दैवी संस्कृति, स्वर्णिम संस्कृति और सभ्यता का आधार है। राजयोग ज्ञान का मुख्य उद्देश्य दैवी संस्कारों और दैवी संस्कृति का सृजन ही है। वह दिन दूर नहीं जब आसुरीयता की काली छाया के बादल छंटेंगे और भारत भूमि पर नई स्वर्णिम संस्कृति का उद्भव होगा। क्योंकि परिवर्तन संसार का नियम है। जैसे- दिन के बाद रात आना निश्चित है उसी तरह सतयुग के बाद कलियुग और फिर कलियुग के बाद सतयुग आना तय है। अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि इस परम सत्य को हम शिरोधार्य कर पाते हैं या सांसारिक बंधनों के कुचक्र में फंसे रहकर इस अमूल्य मानव जीवन को यूं ही जाया करते हैं। योगासन, प्राणायाम से हम तन को स्वस्थ तंदुरुस्त बना सकते हैं लेकिन मन को स्वस्थ, तंदुरुस्त, शक्तिशाली बनाने के लिए राजयोग ही एकमात्र उपाय और जरिया है। राजयोग से कर्मों में कुशलता और प्रवीणता आती है। अष्ट शक्तियों का विकास होता है। जीवन उद्देश्यपूर्ण होने से व्यर्थ का भटकाव खत्म हो जाता है जो आनंद की परम अवस्था की ओर ले जाता है, यही जीवन का सार है।

70 साल के किसान ने यौगिक खेती से पेश की मिसाल

शख्सियत

- 30 साल से राजयोग मेडिटेशन का कर रहे हैं अभ्यास
- ब्रह्माकुमारीज की ओर से इंग्लैंड में रहकर 50 एकड़ में की जैविक-यौगिक खेती

शिव आमंत्रण,जालंधर/करतारपुर(पंजाब)

कुछ करने का जज्बा हो और बुलंद इरादा हो तो परिस्थितियां और उम्र मायने नहीं रखती है। 70 साल के किसान ब्रह्माकुमार जोगिंदर सिंह ने अपनी इच्छा शक्ति से किसानों के सामने नजीर पेश की है। आपका योगी-तपस्वी जीवन आज युवाओं के साथ बुजुर्गों के लिए मिसाल है। उम्र के इस पड़ाव पर भी आप आज भी अपने हाथ से भोजन तैयार करने के साथ सब्जी की फसल लगाते हैं। शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में पंजाब जालंधर जिले के खोह शेखमा वाला करतारपुर निवासी जोगिंदर सिंह ने अपनी जीवन से जुड़े अनुभवों को सांझा किया।

जोगिंदर सिंह ने बताया कि मैं अपनी जमीन में सब्जियों को उगाता हूं। गोमूत्र, गोबर से तैयार जैविक खाद आदि का उपयोग करते हैं। फसल के बीच बैठकर राजयोग के माध्यम से परमात्मा से शक्तिशाली किरणें लेकर फसल को देता हूं। उनसे बातें करता हूं। जैविक तरीके से उत्पादित होने से हमारी सब्जियों की डिमांड इतनी है कि बाजार में तीन गुना दाम पर बिकती है। लोगों को मुझ पर इतना भरोसा है कि उन्हें सब्जी का इंतजार रहता है। सब परमात्मा का ही कमाल है। हमारी सब्जी ज्यादा दिन तक खराब नहीं होती है।

13 साल पहले गया था इंग्लैंड

जोगिंदर सिंह बताते हैं कि यौगिक खेती में मेरे द्वारा किए गए नए-नए प्रयोग, को देखते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से इंग्लैंड सेवाकेंद्र पर भेजा गया था। जहां ऑक्सफोर्ड में 50 एकड़ जमीन पर हमने यौगिक-जैविक खेती की। पहले मैं पावरफुल चश्मा लगाता था, लेकिन जैविक-यौगिक खेती से उत्पादित शुद्ध व सात्विक सब्जी- अन्न करने से, हरियाली के बीच रहने से मेरा चश्मा उतर गया। आज 70 साल की उम्र में भी बिना चश्मे के अच्छी तरह से पुस्तक पढ़ सकता हूं। साथ ही उम्र के इस पड़ाव में भी पूरी तरह से स्वस्थ हूं। 30 साल पहले ब्रह्माकुमारीज से जुड़ा हूं तब से लेकर आज तक सुबह 3.30 बजे दिनचर्या शुरू हो जाती है। सुबह एक घंटा मेडिटेशन के बाद सब्जी लेकर बाजार जाता हूं। एक ओंकार निराकार, सतनाम, निर्वैर वह परमपिता परमात्मा ही हैं। जो राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं।

जीवन प्रबंधन **राजयोगिनी बीके शिवानी दीदी,** अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता, गुरुग्राम, हरियाणा

अच्छी सेहत, रिश्ते और खुशी का आधार है शांत मन

- हमारे एक-एक संकल्प का पड़ता है मन पर प्रभाव, कोई भी संकल्प बहुत सोच-समझकर करें...

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

सारा काम करते हुए चारों तरफ सबकुछ करते हुए एक रिस्पांसिबिलिटी मन का ध्यान रखना। हमारा मन भी कई दिनों से रो रहा है, लेकिन हमने कहा हम बहुत बिजी हैं। मैं बिजी हूं ये लाइन खुद के लिए बोलना अच्छा नहीं है। क्योंकि हर एक-एक लाइन का प्रभाव पड़ता है। जैसे ही हमने कहा मैं बिजी हूं तो हमने अपने

मन और शरीर को मैसेज दिया टाइम नहीं है मेरे पास। कुछ लोग बिना कुछ किए भी बहुत बिजी होते हैं और कुछ लोग बिजी होते हैं, बहुत कुछ करते हुए भी इजी हैं। बिजी मतलब अशांत मन। बिजी और इजी हमारे मन पर निर्भर करता है न कि बाहर मेरा मन कितना शांत है। सबकुछ करते हुए हमारा ध्यान हमारे मन पर होना चाहिए। अगर हमारा मन सबकुछ करते हुए भी परेशान हुआ तो हमें उस काम को रोककर मन को देखना है कि क्या हुआ है। तो हमारा मन कहेगा उसने मुझे आज ऐसा कहा। हमने रूककर मन को जवाब नहीं दिया। मन पहले थोड़ा रोया तो समाज में टेंशन आई फिर ये थोड़ा ज्यादा रोया तो उस समाज ने शब्द क्रिएट किया स्ट्रेस, फिर ये आज इतना जोर से रो रहा है तो समाज ने एक शब्द क्रिएट किया डिप्रेशन। ये एक साइन है कि हमारे मन का रोने का वॉल्यूम बढ़ता जा रहा ।अगर हम टेंशन पर ही जा कर इसको थपथपा देते तो ये वहीं चुप हो जाता, लेकिन हमने कहना शुरू किया स्ट्रेस तो नैचुरल है। हमने मन के रोने को ही नैचुरल कहना शुरू कर दिया।

गुस्सा से खुशी, सेहत और रिश्ते खो देते हैं-

अगर हम गुस्सा करते हैं तो दिन में कई बार अपनी खुशी, सेहत और अपने रिश्तों को खो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर दो परिवार हैं। एक परिवार का हेड है अहंकार, जहां अहंकार है वहां स्ट्रेस है, गुस्सा है, चिड़चिड़ापन है, नफरत है, दुख है ये एक परिवार है। दूसरे परिवार में शांति है, प्यार है, करुणा है ये दो परिवार हैं। इनमें से कुछ सदस्य नहीं आते हैं हमारे घर, अगर आते हैं तो सारे आते हैं और जाते हैं तो भी सारे जाते हैं क्योंकि इनकी आपस में एकता अच्छी है। ये सब-एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमें अपने माइंड की स्क्रीन पे लाना है कि हमने कब लास्ट गुस्सा किया था, परिस्थिति कैसी थी। सामने वाले ने कैसा व्यवहार किया था और हमने कैसे रिएक्ट किया। अभी ये करना इसलिए जरूरी है क्योंकि ये करते ही हमने अपने मन को दिखाया की दूसरी तरह से करना पॉसिबल था। बातें तो रोज आने वाली हैं। सामने वाला गलती करेगा लेकिन क्या मुझे गलत तरह से ही रिएक्ट करना है हर बार। गलत तरीका मतलब वो जिसमें मेरी शक्ति जाती है, मेरी सेहत खराब होती है। विपरीत परिस्थिति में एक मिनट रुककर सोचें फिर रिएक्ट करें।

परमात्मा कहते हैं सोचकर सोचो

कुछ ऐसे लोगों का संस्कार ऐसा होता है जिसको लेकर हम रोज ही चिड़चिड़ा जाते हैं । लोग नहीं बदलेंगे, हमें यह देखना है कि हम उनके साथ कैसे रहेंगे। अपनी शक्ति को खाली नहीं करेंगे। अब जब वो गलती करेंगे तो मेरा रिस्पॉन्स क्या होगा? जब हम गुस्सा करते हैं तो हमारे शरीर पर बहुत नुकसान होता है। मन का शरीर पर असर पड़ रहा है। हर संकल्प जो हम क्रिएट करते हैं सबसे पहले उसका असर हमारे मन पर होगा। हम कैसा फील करते हैं, दूसरा असर हमारे शरीर पर पड़ेगा। हमारा शरीर एक भी संकल्प के प्रभाव से बच नहीं सकता। तीसरा असर उस व्यक्ति पर पड़ेगा जिस पर हमने गुस्सा किया। चौथा असर वातावरण पर होता है। हमें काम करना है, करवाना है, बच्चों को संभालना है, सबकुछ करना है लेकिन बिना गुस्सा किए जैसे ही मन को संकल्प दिया ये बहुत मुश्किल है तो मन तुरंत उसे स्वीकार कर लेगा। एक-एक संकल्प बहुत ध्यान से करना चाहिए। परमात्मा कहते हैं सोचकर सोचो।

स्वर्णयुग का मॉडल बनाया

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग,रूस।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से मानव अंतरिक्ष उड़ान का अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विमानन पत्रकार, संपादक और लेखक सुश्री रेडमिला टोनकोविक (सर्बिया) ने कहा कि पायलट अकेले कुछ भी नहीं कर सकते। इसमें डॉक्टरों, इंजीनियरों, तकनीशियनों आदि की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। अंतरिक्ष के मिशन को सफल बनाने के लिए टीम वर्क से काम होता है।

ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके संतोष दीदी ने बताया कि कैसे 1936 में परमपिता परमेश्वर ने पहले ही तीनों लोकों और मानवता के अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में एक रहस्योद्घाटन किया था। प्रेमि आत्मा का साश्वत गुण है। सृष्टि के आदि में आत्मा सतोगुणों से युक्त बिल्कुल शुद्ध थी। मन की पवित्रता और शक्ति ने सतयुग या स्वर्ण युग की आत्माओं को दूर-दूर तक यात्रा करने के लिए विमान नामक परिष्कृत भौतिक वाहनों का उपयोग करने में सक्षम बनाया। इस दौरान कलाकारों ने एक स्वर्ण-युग का विमान और मॉडल भी बनाया।

रोज गार्डन की 20वीं वर्षगांठ मनाई

शिव आमंत्रण, सैक्रामेंटो/कैलिफोर्निया।

ब्रह्माकुमारी की ओर से अंतरराष्ट्रीय विश्व शांति रोज गार्डन की 20वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शांति और प्रेम का संदेश देने के लिए गुलाब के पौधे लगा गए हैं। टीम ने माउंट आबू भारत, इटली और चीन में तपोवन सहित 10 अलग-अलग देशों में इस तरह के पीस रोज गार्डन स्थापित किए हैं। उत्सव के दौरान बच्चों ने शांति कविताएं साझा कीं और लगभग सात भाषाओं में शांति का अर्थ व्यक्त किया।

■ RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021-23, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 May 2023
■ स्वामी: राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ■ प्रकाशक, संपादक व मुद्रक : ब्र.कु. कोमल द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित ■ संयुक्त संपादक: ब्र.कु. पुष्पेन्द्र